R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 84
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 02 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 मां सीता रसोई की ओर से वृन्दावन मथुरा में चल ... 5 भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की बढाई ... 7 सामंथा रूथ प्रभु और राज निदिमोरू की सादगी ...

कश्मीर में एनआईए की धुआंधार छापेमारी : 'सफेदपोश' मॉड्यूल के तार लाल किला विस्फोट से जुड़ा कनेक्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) पिछले महीने लाल किला विस्फोट की जाँच के सिलसिले में कश्मीर घाटी में एक साथ छापेमारी कर रही है। केंद्रीय एजेंसी ने पुष्टि की है कि उसने नई दिल्ली में दर्ज एक मामले में आठ जगहों पर छापे मारे हैं

और तलाशी ली है। सूत्रों ने बताया कि सोमवार तड़के, एनआईए के जाँचकर्ताओं ने दक्षिण कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में एक साथ तलाशी ली। केंद्रीय जाँच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में डॉ. अदील अहमद राठेर और पुलवामा के कोइल गाँव में डॉ. मुज़म्मिल शकील गनई के घर पर छापेमारी की। केंद्रीय एजेंसी ने शोपियां में मौलवी मुफ़्ती इरफ़ान अहमद वागे और पुलवामा के संबूरा गाँव में आमिर राशिद के घर पर भी छापेमारी की।

इन चारों को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले महीने पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए अंसार ग़ज़वातुल हिंद आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। इस मॉड्यूल में डॉ. उमर नबी समेत चार डॉक्टर शामिल थे, जो लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए विस्फोट में कार चला रहा था, जिसमें 13 लोग मारे गए थे और 32 घायल हुए थे। इनमें से तीन - डॉ. अदील, डॉ. मुज़म्मिल और लखनऊ निवासी डॉ. शाहीन शाहिद - को लाल किला विस्फोट से पहले फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया था और पुलिस ने उनके पास से 350 किलोग्राम से ज़्यादा अमोनियम नाइट्रेट समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बनाने का सामान बरामद किया था। विस्फोट के तुरंत बाद पुलिस ने आमिर राशिद को गिरफ्तार कर लिया था। डॉ. उमर जिस कार को चला रहे थे, उसका नाम यही था।

बाद में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने चारों आरोपियों को एनआईए को सौंप दिया, जिसने विस्फोट मामले की जाँच अपने हाथ में लेने के बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। एनआईए इस मामले में पहले ही छह लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें तीन डॉक्टर आमिर, मुफ्ती इरफान और डॉ. अदील के पड़ोसी जसीर बिलाल शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी का उद्देश्य 'साजिश का पर्दाफाश' करना और विस्फोट की जाँच से जुड़े किसी भी भौतिक या डिजिटल साक्ष्य को खोजना है।

सभी नए स्मार्टफोनों में अनिवार्य रूप से होगा संचार साथी ऐप हटाया भी नहीं जा सकेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दूरसंचार विभाग (डॉट) ने भारत में स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने सभी नए मोबाइल फोनों में सरकार द्वारा विकसित साइबर सुरक्षा ऐप 'संचार साथी' को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि उपयोगकर्ता इस ऐप को अपने फोन से डिलीट नहीं कर पाएंगे।

सरकार का कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल-मैसेज और मोबाइल चोरी जैसी बढ़ती घटनाओं से बचाने के बड़े अभियान का हिस्सा है। निर्देश के तहत कंपनियों को तीन महीने के भीतर इसे लागू करना होगा। इसका सीधा प्रभाव एप्पल, सैमसंग, शाओमी, ओप्पो, वीवो जैसे प्रमुख स्मार्टफोन निर्माताओं पर पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियों ने इस निर्देश पर तत्काल टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि कई निर्माता इस कदम पर आपत्ति जता सकते हैं।

हम आपको बता दें कि अब तक 'संचार साथी' एक वैकल्पिक ऐप था, जिसे उपयोगकर्ता एप्पल या गूगल ऐप स्टोर से अपनी इच्छा से डाउनलोड करते थे। लेकिन नए निर्देश के बाद यह ऐप हर नए फोने में पहले से मौजूद होगा और पुराने फोनों में सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से जोड़ा जाएगा।

यह ऐप इस साल जनवरी में लॉन्च किया गया था और अगस्त तक इसके 50 लाख से अधिक डाउनलोड दर्ज किए जा चुके हैं। सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ऐप की मदद से अब तक 37 लाख से अधिक चोरी या गुम मोबाइल फोन ब्लॉक किए गए हैं और लगभग 23 लाख फोन ट्रैक कर लिए गए हैं। ऐप फोन के आईएमईआई यानी 15 अंकों के विशिष्ट पहचान नंबर के माध्यम से चोरी हुए डिवाइस को ब्लॉक करने और खोजने में मदद करता है। इसके अलावा, यह फर्जी कॉल, एसएमएस और व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म पर आए संदिग्ध संदेशों की शिकायत दर्ज करने की सुविधा भी देता है।

हम आपको यह भी बता दें कि साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की सरकार की इस मुहिम के तहत हाल ही में दूरसंचार विभाग ने व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाओं को भी 'सिम बाइंडिंग' लागू करने का निर्देश दिया है। इसका मतलब है कि जिस सिम कार्ड से किसी उपभोक्ता ने पहले अकाउंट बनाया है, उसकी अनुपस्थिति में ये ऐप फोन पर काम नहीं करेंगे। इसके चलते व्हाट्सऐप वेब जैसी सेवाएं भी बीच-बीच में स्वतः लॉग-आउट हो जाएंगी।

देखा जाए तो सरकार द्वारा 'संचार साथी' जैसे उपयोगी और जनहितकारी ऐप को बढ़ावा देना निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम है, खासकर ऐसे समय में जब साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। चोरी हुआ मोबाइल तुरंत ब्लॉक करना, फर्जी कॉल और संदेशों की रिपोर्टिंग–ये सभी सुविधाएँ वास्तव में नागरिकों की सुरक्षा मजबूत करती हैं।

लेकिन दूसरी ओर, ऐप को अनिवार्य बनाना और उसे हटाने का विकल्प न देना, उपभोक्ता की स्वतंत्रता और डिजिटल गोपनीयता को लेकर चिंताएँ भी पैदा करता है। किसी भी सरकारी ऐप को फोन में स्थायी रूप से इंस्टॉल रखने का निर्देश तकनीकी कंपनियों और नागरिक अधिकार समूहों के बीच स्वाभाविक रूप से बहस छेड़ेगा। टेक उद्योग का तर्क होगा कि यह उपयोगकर्ता अनुभव और स्वतंत्रता में हस्तक्षेप है, जबकि गोपनीयता विशेषज्ञ यह सवाल उठाएँगे कि क्या एप्ट्र-बाइंडिंग और अनिवार्य ऐप जैसी नीतियाँ निगरानी के जोखिम को बढ़ा सकती हैं।

खड़गे ने सी.पी. राधाकृष्णन का किया स्वागत

भाजपा पर कटाक्ष करते हुए बोले कुछ लोग कहते हैं आप उनकी पार्टी के हैं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का सदन के सभापति के रूप में स्वागत किया और उनसे अपने कार्यकाल के दौरान पक्षपातपूर्ण व्यवहार न करने का आग्रह किया। संसद के उच्च सदन को संबोधित करते हुए, खड़गे ने भाजपा पर कटाक्ष करने के लिए भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि मैं आज अपनी ओर से और सभी विपक्षी सदस्यों की ओर से आपको राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई देता हूँ।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि राज्यसभा की कार्यवाही के सुचारू संचालन की भारी ज़िम्मेदारी सभापति पर होती है। मैं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उद्धृत करना उचित समझता हूँ। अपने स्वीकृति भाषण में उन्होंने कहा था, 'मैं किसी दल से नहीं हूँ, यानी मैं इस सदन की हर पार्टी से हूँ। संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने और हर दल के प्रति निष्पक्षता और निष्पक्षता से पेश आने का मेरा प्रयास रहेगा। किसी के प्रति दुर्भावना और सभी के प्रति सद्भावना के साथ। अगर कोई लोकतंत्र विपक्षी समूहों को सरकार की नीतियों की निष्पक्ष और स्पष्ट आलोचना करने की अनुमति नहीं देता है, तो वह अत्याचार में बदल जाएगा।' मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि कुछ लोग कहते हैं कि आप उनकी पार्टी के हैं।

सीपी राधाकृष्णन के कांग्रेस से संबंध का हवाला देते हुए, खड़गे ने कहा कि उनके चाचा सीके कुप्पुस्वामी उनकी पार्टी से सांसद थे। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन द्वारा की गई मूल्यवान टिप्पणियाँ आज भी प्रासंगिक हैं। आपने न केवल उनके समान पद ग्रहण किया, बल्कि आपका नाम भी उनके समान है। मुझे आशा है कि आप भी उनके जैसे ही विचार रखते होंगे। आपके चाचा सीके कुप्पुस्वामी कांग्रेस के सदस्य रहे हैं और तीन बार लोकसभा के लिए चुने गए हैं। कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और समय-सम्मानित संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृपया सदन की कार्यवाही के संचालन में हमारे सहयोग और सदन के प्रत्येक सदस्य, चाहे वे विपक्ष के हों या सत्ता पक्ष के, को उचित अवसर प्रदान करने के प्रति आश्वस्त रहें।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सदन को उन्हें विदाई देने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मैं आपके पूर्ववर्ती के राज्यसभा के सभापति पद से अचानक हुए त्यागपत्र का उल्लेख करने के लिए बाध्य हूँ, जो अभूतपूर्व था। सदन के संरक्षक के रूप में सभापति का दायित्व जितना सरकार का है, उतना ही विपक्ष का भी है। मुझे इस बात का दुःख है कि सदन को उन्हें विदाई देने का अवसर नहीं मिला। मैं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ। हमें विश्वास है कि आप निष्पक्ष रहेंगे।

जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना 'नाटक' नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना 'नाटक' है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, "संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक यह है कि उन मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती, जो जनता के लिए मायने रखते हैं।

कुत्ते को संसद ले आईं रेणुका चौधरी, सत्तापक्ष पर साधा निशाना, 'असली काटने वाले तो यहां बैठे हैं'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को एक कुत्ते को संसद परिसर में ले आईं, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि वह आवारा है। उन्होंने अन्य सांसदों की आपत्तियों को खारिज करते हुए दावा किया कि असली कुत्ते संसद में बैठे हैं और रोज़ लोगों को काट रहे हैं। चौधरी ने बताया कि उन्होंने सुबह संसद जाते समय इस पिल्ले को बचाया था। उन्होंने एक स्कूटर-कार की टक्कर देखी और देखा कि पिल्ला सड़क के पास घूम रहा था। कुत्ते को चोट न लगे, यह सुनिश्चित करने के लिए वह उसे अपनी कार में साथ ले आईं। कुत्ता गाड़ी के अंदर ही रहा और कांग्रेस सांसद को कार से उतारने के कुछ देर बाद ही चला गया।

चौधरी ने एएनआई को बताया क्या कोई कानून है? मैं जा रही थी। एक स्कूटर और कार की टक्कर हो गई। यह छोटा पिल्ला सड़क पर घूम रहा था। मुझे लगा कि यह पहिए से टकरा जाएगा। इसलिए मैंने उसे उठाया, कार में रखा, संसद आई और वापस भेज दिया। कार चली गई, और कुत्ता भी। तो इस चर्चा का क्या मतलब है? राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के किसी भी सांसद का नाम लिए बिना, चौधरी ने सत्तारूढ़ दल पर तंज कसते हुए कहा कि 'असली कुत्ते संसद में बैठे हैं, ' और वैसे भी इस पर कोई चर्चा नहीं होती।

उन्होंने कहा कि असली काटने वाले संसद में बैठे हैं। वे सरकार चलाते हैं। हम एक मूक जानवर की देखभाल करते हैं, और यह एक बड़ा मुद्दा और चर्चा का विषय बन गया है। क्या सरकार के पास और कोई काम नहीं है? मैंने कुत्ते को घर भेज दिया और कहा कि इसे घर पर ही रखें... हम उन लोगों के बारे में बात नहीं करते जो संसद में बैठकर हमें रोज़ काटते हैं। इस बीच, संसद के शीतकालीन सत्र में, खासकर लोकसभा में, विपक्षी सांसदों ने देश भर में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चर्चा की मांग को लेकर बार-बार नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष ने सदन में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए, वहीं अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठी सांसद संध्या राय ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इस बीच, सितंबर में कार्यभार संभालने वाले नए राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के अभिनंदन प्रस्ताव पर चर्चा के बाद राज्यसभा की कार्यवाही भी दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस चर्चा में कई राज्यसभा सांसदों ने, पार्टी लाइन से हटकर, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का सदन में स्वागत किया।

नशे के खिलाफ महाअभियान

हिमाचल सीएम ने चेताया, चिट्टा तस्करों का खेल खत्म, संपत्तियां जब्त होंगी

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को धर्मशाला में चिट्टा विरोधी जागरूकता वॉकथॉन का नेतृत्व किया, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम पुलिस ग्राउंड में संपन्न हुआ। दारड़ी ग्राउंड धर्मशाला से शुरू हुई वॉकथॉन में नशा विरोधी नारे लिखे हुए थे और छात्र और नागरिक नशा मुक्त हिमाचल और राज्य से जानलेवा चिट्टा सहित सभी प्रकार के नशे के उन्मूलन का संदेश देने वाली तख्तियां लिए हुए थे, जो पुलिस ग्राउंड धर्मशाला में संपन्न हुई।

मुख्यमंत्री रैली के समापन तक पूरे रास्ते में बच्चों के साथ रहे और राज्य से चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों के उन्मूलन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश दिया। इसके अलावा, बच्चों ने मुख्यमंत्री सुक्खू के साथ सेल्फी भी ली और उनसे बातचीत भी की और उन्हें चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। पुलिस ग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने चिट्टा माफिया को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अब देवभूमि में नशा तस्करों के लिए छिपने की कोई जगह नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि हालाँकि वर्षों से पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम लागू नहीं हुआ था, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने इसे जमीनी स्तर पर लागू किया है। इस कानून के तहत 46 बड़े तस्करों को हिरासत में लिया गया है।

चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा नशे से कमाया गया एक-एक रुपया ज़ब्त किया जाएगा और हमने 46 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति ज़ब्त की है। उन्होंने कहा कि यह नया हिमाचल है। उन्होंने कहा कि हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हिमाचल से चिट्टे का नामोनिशान मिटा नहीं दिया जाता। यह लड़ाई सिर्फ़ तस्करों के खिलाफ़ नहीं है, बल्कि ड्रग माफ़िया के पूरे नेटवर्क और उनके साम्राज्य के खिलाफ़ है। जो भी हमारे बच्चों को ड्रग्स बेचता हुआ पाया जाएगा, उसे जेल होगी, उनका खेल यहीं खत्म होगा। सीएम सुक्खू ने कहा कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय विभाग और हर नागरिक अब चिट्टे के खिलाफ एकजुट हैं।

विपक्ष की एकजुटता का संकेत

एसआईआर को लेकर राम गोपाल यादव का कड़ा रुख, सदन में टकराव तय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा नहीं हुई तो सदन नहीं चलेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया पर बहस न होने पर सदन चलने देगा, राम गोपाल यादव ने एएनआई से कहा कि अगर एसआईआर पर चर्चा नहीं होगी तो सदन नहीं चलेगा। उन्होंने आगे कहा, 'जिन मुद्दों पर हम बहस की मांग करते हैं, क्या वे वास्तव में इसकी अनुमति देते हैं? वे अभी भी गुस्से में हैं।

विपक्ष संसद में चल रहे एसआईआर के साथ-साथ दिल्ली विस्फोट (जिसमें 15 लोग मारे गए थे) और राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाना चाहता है। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर और विजय कुमार वसंत ने मतदाता सूचियों की चल रही एसआईआर पर तत्काल बहस की मांग करते हुए संसद में कार्यस्थगन प्रस्ताव पेश किया। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी एसआईआर और कई राज्यों में बीएलओ की मौतों को लेकर सदन में कार्य स्थगन प्रस्ताव पेश किया।

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि पूरा विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं को उठाएगा, जो इस समय देश के कई हिस्सों में चल रही है। उन्होंने चुनाव आयोग के इस कदम को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। एएनआई से बात करते हुए, प्रसाद ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार एसआईआर प्रक्रिया के ज़रिए लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर सबसे बड़ा मुद्दा है, लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है...मतदान के अधिकार से ज़्यादा कीमती कुछ नहीं है...भाजपा सरकार एसआईआर के ज़रिए लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करना चाहती है।

प्रसाद ने आगे कहा कि यह देखा जा सकता है कि बीएलओ की तैनाती पार्टी लाइन के आधार पर की गई है और ज़्यादातर बीएलओ भाजपा कार्यकर्ताओं को फॉर्म बाँट रहे हैं। हालाँकि एसआईआर की समयसीमा बढ़ा दी गई है, लेकिन काम इतना ज़्यादा है कि उत्तर प्रदेश में आधे से ज़्यादा बीएलओ की मौत हो चुकी है। पूरा विपक्ष इस मुद्दे को संसद में उठाएगा। बिहार में पहले चरण के सफल समापन के बाद, एसआईआर अभ्यास के दूसरे चरण में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

पीएम मोदी का विपक्ष पर तीखा हमला

हार पचा नहीं पा रहे कुछ दल संसद को 'विघटन' का केंद्र न बनाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि कुछ राजनीतिक दल अभी भी बिहार चुनाव में मिली हार को पचा नहीं पा रहे हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि संसद का यह सत्र 'विघटन' का केंद्र नहीं बनेगा।

संसद सत्र से पहले अपने सबसे सख्त बयानों में से एक में प्रधानमंत्री ने विपक्ष को काम करने के तरीके को लेकर एक सीधी चुनौती दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह विपक्ष को काम करने के तरीके बताने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्हें शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) के कामकाज में बाधा नहीं डालनी चाहिए। उनका यह बयान इस बात पर ज़ोर देता है कि विपक्ष को विरोध के बजाय रचनात्मक चर्चा और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि संसदीय कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में सीधे तौर पर विपक्षी दलों को निशाने पर लिया जिनका प्रदर्शन हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनावों में आशा के अनुरूप नहीं रहा था। उन्होंने कहा कि विपक्ष को चुनावी हार को भुलाकर अब देश के महत्वपूर्ण कानूनों और नीतियों पर चर्चा में सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि संसद बहस और विचार-विमर्श का केंद्र है न कि बाधा और अराजकता का। उनका यह बयान आगामी सत्र के हंगामेदार होने के स्पष्ट संकेत दे रहा है।

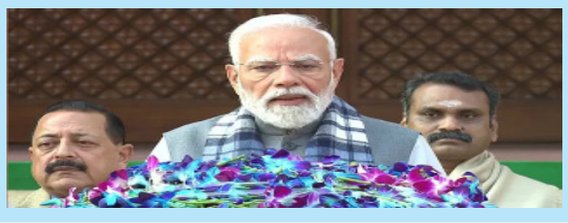

सिराथू में रात का भीषण जाम - शादी-विवाह की बारातें फँसीं, घंटों ठप रहा ट्रैफिक

मंत्र भारत संवाददाता

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू में ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। सुबह की भीड़ के बाद अब रात में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। रविवार की रात बाजार और मुख्य सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिससे शादी-विवाह की बारातें भी बुरी तरह फँस गईं। बारातियों को घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ी।

ज्ञात हो कि रेलवे ओवरब्रिज बनने के बावजूद पुरानी जाम की समस्या खत्म नहीं हुई है। संकरी सड़कें, गन्ना लदी ट्रॉलियाँ, भारी वाहनों की एंट्री और शादी का बढ़ा वाहन दबाव–इन सभी कारणों से ट्रैफिक पूरी तरह रुक गया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्कूल वाहन, यात्री और बारातें सभी फँसे रह गए।

सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुँचीं और भारी वाहनों को हटाकर रास्ता खुलवाने की कोशिश की। काफी प्रयास के बाद देर रात ट्रैफिक बहाल हो सका।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर हफ्ते जाम की समस्या दोहराई जाती है और शादी के सीजन में स्थिति और बिगड़ रही है। लोग ट्रैफिक का स्थायी समाधान जल्द से जल्द लागू करने की मांग कर रहे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथ लेबिल अधिकारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिए जाने पर किया सम्मानित

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अमित पाल ने अर्हता 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एंई) कार्यक्रम के अन्तर्गत बूथ लेबिल अधिकारी के रूप में-संदीप कुमार सहा0 अध्यापक, दिलीप कुमार सहा0 अध्यापक, चन्द्रजीत सिंह सहा0 अध्यापक, नागेश्वर सिंह सहा0 अध्यापक, विजय प्रकाश सहा0 अध्यापक, संदीप निषाद सहा0 अध्यापक, निरन्जन सिंह सहा0 अध्यापक, अनुपमा देवी सहा0 अध्यापक, अतुल कुमार सहा0 अध्यापक, अतुल चौधरी सहा0 अध्यापक, तिलक चन्द्र सहा0 अध्यापक, संजय सिंह यादव सहा0 अध्यापक, राकेश कुमार सहा0 अध्यापक, ललित कुमार सहा0 अध्यापक, शिवभान सहा0 अध्यापक, अखिलेश कुमार सहा0 अध्यापक, रोहित कुमार सहा0 अध्यापक, शिव कुमार सहा0 अध्यापक एवं अरविन्द कुमार सहा0 अध्यापक द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र मंझनपुर में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिए जाने पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मंझनपुर सुखलाल प्रसाद वर्मा उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की बाल कल्याण समिति की समीक्षा बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने सोमवार को उदयन सभागार में बाल कल्याण समिति की समीक्षा बैठक की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति को लम्बित प्रकरणों का शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने परिवार में भेजे गये एवं संस्थानों में रह रहें बच्चों का नियमानुसार फॉलो-अप करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष की समीक्षा के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी को लम्बित प्रकरणों में शीघ्र बैंक खाता खुलवाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्यवाही समयबद्ध किया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न रहने पाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन

योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

जागरूकता ही है बचाव का उपाय

सीएमओ, डीआईओएस, जिला एड्स नियन्त्रण अधिकारी सहित अन्य लोग कार्यक्रम में हुए शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में वृहद स्तर पर विश्व एड्स पर जागरूकता कार्यक्रम आज आयोजित किया गया।इस दौरान सभी कहा कि जागरूकता ही है बचाव का उपाय। विश्व एड्स दिवस की विषय वस्तु ''बाधाएं दरकिनार, एचआईवी पर सशक्त प्रहार' है। कार्यक्रम के अतिथि सीएमओ डा एके तिवारी, डा हेमन्त सिंह, जिला क्षयरोग अधिकारी/जिला एड्स नियन्त्रण अधिकारी एवं डीआईओएस पीएन सिंह और वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरिप्रकाश यादव ने झण्डी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। शिक्षक नेता डा हरिप्रकाश यादव ने भी एड्स से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया। यह जागरूकता रैली सुभाष चन्द्र बोस चौराहा सिविल लाइन्स से वाया हनुमान मन्दिर चौराहा, सिविल लाइन्स (बस अड्डा के पास) से होते हुए वापस सुभाष चन्द्र बोस चौराहा, सिविल लाइन्स तक एचआईवी/एड्स विषय पर जन-जागरूकता निकाली गयी। डा रोहित पाण्डेय-जिला कार्यक्रम प्रबंधक, दिशा, प्रयागराज, दिशा स्टाफ, आईसीटीसी/पीपीटीसीटी, एसटीआई, ओएसटी एवं एसएसकेके मैनेजर, परामर्शदाता एवं लैब टेक्नीशियन, एनटीईपी स्टाफ, लोक स्मृति सेवा संस्थान, यूपीएनपी प्लस तथा अन्य कर्मचारीगण / प्रतिनिधि, प्रयागराज एवं जनपद के विभिन्न कालेजो के छात्र-छात्राओ सहित बडी संख्या में लोग थे। यह लोग जागरूकता रैली के दौरान एडस से बचाव की जानकारी देते हुए चल रहे थे।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा सोमवार को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

सवालों पर पारदर्शिता और जवाबदेही दिखाए, तभी संसद में वास्तविक 'डिलीवरी' संभव होगी : अंकित यादव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में दिए गए बयान 'संसद में ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए, नारे नहीं, नीति होनी चाहिए' पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने कड़ा प्रतिवाद किया है।

अंकित सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री का संसद को नसीहत देना वास्तविकता से पलायन है। उन्होंने कहा कि देश की जनता संसद में ड्रामा नहीं, बल्कि सरकार से जवाबदेही और ठोस कार्रवाई चाहती है, जो बीते वर्षों में दिखाई नहीं देती।

श्री यादव ने आरोप लगाया कि जब भी विपक्ष जनता के मुद्दे उठाता है, सरकार उसे ड्रामा करार देकर अपनी जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा, 'नारेबाज़ी की राजनीति भाजपा की पहचान बन चुकी है। प्रधानमंत्री को विपक्ष पर उंगली उठाने से पहले यह देखना चाहिए कि नीतियाँ कागज़ पर नहीं, ज़मीन पर कितनी लागू हुई हैं।' बेरोज़गारी, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर वास्तविक डिलीवरी के अभाव ने देश की आम जनता को परेशान कर रखा है। श्री यादव ने यह भी कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है, और वहाँ विपक्ष की आवाज़ को 'ड्रामा' कहना लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध है। अंत में अंकित सिंह यादव ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह विपक्ष को कठघरे में खड़ा करने के बजाय जनता के सवालों पर पारदर्शिता और जवाबदेही दिखाए, तभी संसद में वास्तविक 'डिलीवरी' संभव होगी।

वारंटी के घ? धारा 84 बीएनएस की नोटिस चस्पा कर गांव में पुलिस ने डुग्गी मुनादी कराई

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में नवीन कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना शोहरतगढ़ मय दीम द्वारा न्यायालय से थाना चिल्हिया पर पंजीकृक मु0अ0सं0 55/2025 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण (1) इंदल चौहान पुत्र ठाकुर (2) सम्बारी पुत्र भूखन (3) विनोद कुमार चौहान पुत्र अंतू निवासी गण टिकुरी थाना खैरीघाट जनपद बहराईच (4) नंद किशोर पुत्र स्व0 लालाराम निवासी अड़गोडवा थाना मोतीपुर जनपद बहराईच (5) बछराम पुत्र दयाराम निवासी दल्लापुरवा जनपद बहराईच के विरुद्ध निर्गत धारा 84ँएए की आदेशिका की तामिला आज दिनांक 01.12.2025 को अभियुक्त/वारन्टी के गांव में डुग्गी मुनादी कराते हुये गांव/मोहल्ले/चौराहों के दृष्यमान स्थलों पर नोटिस को चस्पा करते हुये नियमानुसार तामीला की गयी ।

कृशक उत्पादक संगठनों के गठन हेतु डीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कृशक उत्पादक संगठनों के गठन हेतु जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने समूह की महिलाओ को जोड़ने का निर्देश दिया गया। इसके साथ सेन्टर फॉर एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलेपमेन्ट, सीबीबीओ द्वारा विकास खण्ड खेसरहा में 03 नये कृषक उत्पादक संगठन बनाने, आशादीप फाउन्डेशन सीबीबीओ द्वारा विकास खण्ड शोहरतगढ़ में एक नये कृषक उत्पादक संगठन बनाने, गोपाल शिक्षण एवं ग्रामीण विकास संस्थान, सीबीबीओ द्वारा विकास खण्ड बढ़नी, डुमरियागंज, लोटन में नये कृषक उत्पादक संगठन बनाने हेतु चर्चा किया गया। 08 विकास खण्डों नौगढ़, खेसरहा, लोटन, मिठवल, बढ़नी, भनवापुर, बर्डपुर एवं इटवा में कृषक उत्पादक संगठन बनाने हेतु उ0प्र0 को आपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, स्टेशन रोड लखनऊ एवं उ0प्र0 उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड, उपभोक्ता भवन लखनऊ को कलस्टर आधारित विजनेस आर्गेनाइजेशन नामित किया गया है। उक्त विकास खण्डों में कृषक उत्पादक संगठन बनाने हेतु प्रगति की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गौकशी के तीन आरोपी पुलिस मुठभेड़ में अरेस्ट, मुठभेड़ के दौरान दो के पैर में लगी गोली, तीसरे को पुलिस ने पकड़ा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी जिले के करारी थाना क्षेत्र के तियरा जमालपुर गांव में रविवार की दोपहर गौकशी की सूचना मिलने के बाद बजरंगदल और

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की।

ज्ञात हो कि कार्यकर्ताओं का दावा है कि घटना वाले स्थान से गाय को बांधने वाली रस्सी, गोवंश के अवशेष और खून के छींटे मिले हैं, लेकिन पुलिस इसे घटना मानने से इनकार कर रही है।संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि गौकशी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे जंगल में ही प्रदर्शन जारी रखेंगे। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे सीओ मंझनपुर ने लोगों को समझाते हुए जल्द से जल्द आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापेमारी के दौरान 163 किलो मिलावटी खोया जब्त कर कराया नष्ट

कौशाम्बी। जिले में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवप्रसाद तिवारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी भारत मिश्रा और नितिन कुमार ने सुबह करीब 8 बजे टीम के साथ चरवा चौराहे पर छापा मारा। टीम को देखते ही मिलावटी खोया बेचने आए व्यापारी अपना सामान छोड़कर भाग गए।

ज्ञात हो कि छापेमारी के दौरान टीम ने दो व्यापारियों के खोए के नमूने भी भरे। टीम ने करीब एक घंटे तक व्यापारियों का इंतजार किया और लोगों को बताया कि वे आकर अपने खोए के नमूने भरवा सकते हैं। हालांकि, कोई भी व्यापारी वापस नहीं आया, जिसके बाद टीम ने भीड़ की मदद से गड्ढा खुदवाकर 163 किलो मिलावटी खोआ नष्ट करवा दिया।

महिला अपराध रोकने के लिए पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन, द्वारा 'महिला सशक्तिकरण, एंटी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व सुजीत राय, क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण में व अरविन्द कुमार मौर्य प्रभारी निरीक्षक शिवनगर डिड़ई के कुशल नेतृत्व मे थाना शिवनगर डिड़ई मिशन शक्ति टीम द्वारा चौधरी राममिलन सिंह इंटर कॉलेज ग्राम घूमची में जाकर छात्र/छात्राओं को जागरुक किया गया तथा उप निरीक्षक आजम अली खां के साथ हेड कांस्टेबल रणजीत कुमार व महिला कांस्टेबल प्रतिमा दूबे ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हेल्पलाइन नम्बरो के बारे मे जानकारी दिया गया तथा साइबर क्राइम से सम्बंधित जानकारी दी गयी, शक्ति दीदी के तहत महिलाओं को जागरूकता अभियान के तहत जागरूक किया गया, महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्बन्ध में पम्पलेट वितरित कर जानकारी दी गयी ।

मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ के मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अन्तर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा को बांटे गये गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) एवं जमां किये गये प्रपत्र के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुये सभी मतदाताओं को घर घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें तथा मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसको बीएलओ, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्राप्त कर लें। गणना प्रपत्र की फीडिंग में प्रगति लायें।जिन बी एल ओ द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, दूसरे का सहयोग कर कार्य पूर्ण कराये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, तहसीलदार एवं अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

बाबू राजबली महिला महाविद्यालय

बरना, झारी, पूरे जयसिंह, जंघई, प्रयागराज

आवश्यकता है–

महाविद्यालय के प्राचार्य एक पद, बी0ए0 पाठ्यक्रम के प्राचीन भारतीय इतिहास, शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान, हिन्दी साहित्य, राजनीति विज्ञान, संस्कृत एवं समाजशास्त्र विषयों के सहा0आचार्य की आवश्यकता है। शैक्षिक योग्यता, वेतनमान एवं सेवा शर्तें यू0जी0सी0/उत्तर प्रदेश राज्य सरकार/विश्वविद्यालय के मानकानुसार देय होगा।

नोटः इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त अंकपत्रों/प्रमाणपत्रों के साथ महाविद्यालय के पते पर पंजीकृत डाक/व्यक्तिगत उपस्थित होकर विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर आवेदन कर सकते हैं। साक्षात्कार हेतु सूचना ई–मेल/दूरभाष के माध्यम से दिया जायेगा।

(महेन्द्र कुमार)
प्रबन्धक
मो0नं0–9076742255
E-mail : yanubhav176@gmail.com

राष्ट्रीय शिल्प मेला 2025 का हुआ धूमधाम से आगाज़, पद्श्री मालिनी अवस्थी की सुरमयी प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज एक बार फिर लोक-परंपराओं और स्वदेशी कला के अद्भुत संगम का साक्षी बनी। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित दस दिवसीय 'राष्ट्रीय शिल्प मेला 2025' का शुभारंभ सोमवार को शिल्प हाट परिसर में भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ किया गया।एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए, देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपने पारंपरिक परिधानों और लोक-नृत्य की मोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को मंच पर जीवंत किया। हर रंग में एकता, हर सुर में भारत की आत्मा साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति जे. जे. मुनीर, केन्द्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। केंद्र निदेशक ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि 'उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पिछले चार दशकों से लोक कलाओं की धरोहर को संरक्षित कर रहा है। स्वदेशी शिल्पों के माध्यम से आत्मनिर्भरता व राष्ट्रगौरव की भावना मजबूत होती है। इसलिए शिल्प मेला आज प्रयागराज का एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन बन चुका है।'

उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों से प्रेम और आत्मनिर्भरता ही व्यक्ति के रूप में हमारी और राष्ट्र के रूप में देश के स्वाभिमान को निर्मित करती है।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ विपिन मिश्रा की शंख-डमरू वादन से हुआ। इसके पश्चात पद्मश्री मालिनी अवस्थी जी ने माँ गंगा को नमन करते हुए जब 'मोरे राम जोगिनी बनूंगी' गाया तो पंडाल करतल ध्वनि से गूंज उठा।रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे, मोरे अंगना भवानी आई, हो रामा हो रामा, 'केसरिया बालम पधारो म्हारे देस, जैसे गीतों ने शाम को भक्तिरस व लोकधुनों की मिठास से भर दिया। राजा जनक के हारे भीड़ और होली खेले मसाने में और 'सावन आया रे, मेघ छाए रे, प्रस्तुत कर समां बांध दिया। लोकनृत्यों की कड़ी में असम से आई स्वागता शर्मा एवं दल ने असम के पारंपरिक नृत्य बिहू की प्रस्तुति देकर वहां की माटी की सुगंध को बिखेरकर खूब तालियां बटोरी। मध्य प्रदेश से आए जुगल किशोर एवं दल ने जनक लियौ रघुरयिा अवध में बाजे बधाइयां गीत पर रगं-बिरंगे परिधान में बधाई, नौरता नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। हरियाणा से आए प्रदीप कुमार बमनी और साथी कलाकारों ने फागुन आया रंग भरा गीत पर फाग नृत्य की प्रस्तुति देकर देवर भाभी के प्रेम को मंच पर जीवंत किया। झांसी से आई राधा प्रजापति एवं दल ने राई नृत्य की प्रस्तुति दी। वही रामबाबू यादव ने बिरहा भेजी राम को वन में रहले कैअव कारण, बनिके मनिहारी श्याम दौरी सिर पर धारी की प्रस्तुति दी।

विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने शहर के मध्य भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा एनसीजेडसीसी से प्रारंभ होकर इंदिरा गांधी चौराहा, पत्थर गिरजाघर, सुभाष चौराहा से होती हुई आगे बढ़ी।सिविल लाइन के उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष स्वाती निरखी, क्षेत्रीय पार्षद नीरज जायसवाल, संजय पुरुषार्थी, पंकज जायसवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने कलाकारों का हार्दिक स्वागत किया।लोगों की भारी भीड़ ने लोकनृत्यों व वाद्य धुनों का आनंद लेते हुए शोभायात्रा का स्वागत किया। पूरा शहर मानो उत्सव में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आभा मधुर ने किया।

घर के बाहर से चोरी हुआ ई-रिक्शा, बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। चांदपुर सलोरी निवासी राम सिंह यादव का ई-रिक्शा 28 नवंबर की रात घर के बाहर से चोरी हो गया था। सोमवार की सुबह थरवई थाना क्षेत्र स्थित 40 नंबर गोमती के पास ई-रिक्शा लावारिस हालत में खड़ा दिखा। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी।सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने ई-रिक्शा की तलाशी ली तो उसमें मालिक से जुड़े कागजात और मोबाइल नंबर मिला। पुलिस ने तत्काल मालिक राम सिंह यादव से संपर्क किया। बताया जाता है कि सूचना मिलते ही राम सिंह थरवई थाने पहुंचे और ई-रिक्शा को शिनाख्त कर अपने कब्जे में ले लिया।राम सिंह यादव के अनुसार, अज्ञात चोर ई-रिक्शा की बैटरी और स्टीफनी निकालकर ले गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वेद के रोल में अपने सफ़र को लेकर शगुन पांडे ने खोले दिल के दरवाज़े

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो 'सरू' इन दिनों दर्शकों के दिलों को जीत रहा है, खासकर सरू और वेद की खूबसूरत, और दिलचस्प लव स्टोरी की वजह से। लेकिन वेद बिरला की खामोश और दमदार मौजूदगी और गहरे जज़्बातों के पीछे एक और दिलचस्प कहानी चल रही है - उस एक्टर की, जिसने इस किरदार को इतने आत्मविश्वास और गहराई से निभाया है। शगुन पांडे, जो अब घर-घर में जाने-पहचाने चेहरे बन गए हैं, बताते हैं कि वेद का सफर उनके करियर के सबसे चैलेंजिंग और खुद को बदल देने वाले दौरों में से एक रहा है। वेद को हर दिन जीने के लिए कैसी तैयारी करनी पड़ती है, इस पर बात करते हुए शगुन कहते हैं, 'लोगों को अक्सर लगता है कि टीवी एक्टर्स बस आते हैं और एक्टिंग करते हैं, लेकिन वेद को निभाने में मेरी पूरी लाइफस्टाइल बदल गई। 12 घंटे तक सेट पर रहने के बाद शूट से सीधा निकलकर 2 घंटे के जिम सेशन में जाता हूं, क्योंकि इस काम की यही मांग है।'

एक्टर्स को लेकर लोगों में जो ग्लैमर वाली सोच रहती है, उसके उलट शगुन साफ कहते हैं कि उनकी राह मेहनत, लगन और अनुशासन से बनी है, न कि किसी शॉर्टकट से। 'मैं कभी प्लान बी पर भरोसा नहीं करता। अनुशासन ही मेरी अलार्म घड़ी है - मेरा शरीर खुद बताता है कि कब उठकर काम करना है। लोग मुझे 'लकी' कहते हैं तो मैं मुस्कुरा देता हूं, क्योंकि वे मन में चल रही दुविधाओं, काम के लंबे घंटे और वो त्याग नहीं देखते। लेकिन मैं इस स्थिति को गर्व से निभाता हूं, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ पेशा नहीं है - ये मेरी लगन है। और वेद मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि वो इंसान है जो हर दिन मुझे चुनौती देता है। उसकी खामोशी, उसकी समझदारी, उसके अंदर चल रही कश्मकशष्ठ इन सबको समझने के लिए मुझे अपनी आदतें छोड़कर उसके भीतर उतरना पड़ा। वेद ने मुझे और ज्यादा जमीन से जोड़ा है, मुझे और सब्र दिया है, और अपने ही जज़्बातों को समझने में मदद की है।'

वर्ल्डस्किल्सएशिया कॉम्पिटिशन 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया

पहली बार हिस्सा लेते हुए 8वां स्थान हासिल किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत ने ग्लोबल स्किल्स मंच पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्ल्डस्किल्स एशिया कॉम्पिटिशन (डब्ल्यूएसएसी) 2025 में अपनी पहली भागीदारी में भारत ने 29 देशों में से 8वाँ स्थान प्राप्त करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। क्षेत्र के अग्रणी स्किल इकोसिस्टम के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, भारत ने अपनी पहली ही कोशिश में उच्च-डिमांड और उभरते ट्रेड्स में अनुशासन, नवाचार और वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के नेतृत्व में तथा एनएसडीसी और अन्य तकनीकी साझेदारों के प्रशिक्षण एवं तैयारी में सहयोग के साथ, भारतीय टीम में कुल 23 प्रतिभागी शामिल थे, जिन्होंने 21 कौशल श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। उनके साथ 21 एक्सपर्ट्स थे और उन्होंने उन्हें सपोर्ट भी किया। टीम ने पारंपरिक तथा तकनीक-आधारित दोनों प्रकार की कौशल श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारत ने 1 रजत, 2 कांस्य पदक और 3 मेडेलियन ऑफ एक्सीलेंस हासिल किए, जिससे ग्लोबल स्किल एक्सीलेंस में देश की तेज़ी से बढ़ती मौजूदगी का पता चलता है।

गीता जयंती पर पूज्यपाद महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी असंगानन्द सरस्वती महाराज हुए ब्रह्मलीन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। परम विद्वान, परम वीतराग एवं परम विख्यात, प्रातः स्मरणीय, पूज्यपाद महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी असंगानन्द सरस्वती महाराज, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश, आज, गीता जयंती के पावन दिन, मोक्षदा एकादशी तिथि पर, दोपहर 01 बजे, हरिद्वार में परमपिता परमात्मा के श्रीचरणों में अपने भौतिक शरीर को त्याग कर ब्रह्मलीन हुये। पूज्य स्वामी महाराज कई महीनों से शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था की व्याधियों से ग्रस्त थे, दिल्ली व अनेक बड़े शहरों के अस्पतालों में उपचार चल रहा था, परन्तु अन्तिम निर्णय तो परमात्मा का ही होता है, आज वे ब्रह्मलीन हुये।

अभी विगत 15 अक्टूबर को पूरे परमार्थ परिवार ने उनके जीवन के 90 वर्ष पूर्ण होने पर दिव्यात के साथ उत्सव मनाया था। उनका जाना पूरे दैवीय सम्पद मंडल परिवार के लिये एक अपूरणीय क्षति है।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि पूज्य स्वामी असंगानन्द सरस्वती जी महाराज ने नौ वर्ष की आयु से ही अपने जीवन को परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी शुकदेवानन्द सरस्वती जी महाराज के पावन श्रीचरणों में समर्पित कर दिया। पहले वे शाहजहांपुर आए और वहाँ विद्या-अध्ययन किया, फिर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश पधारे जहाँ उन्होंने अध्यापन कार्य किया, साधना की और जीवन पर्यन्त पूरे विश्व से आने वाले श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते रहे।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, पूज्य साध्वी भगवती सरस्वती जी और सभी ऋषिकुमारों ने उनकी आत्मा की शान्ति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धाजंलि अर्पित की। परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋषिकेश में उनका पार्थिव शरीर दर्शनार्थ 2 दिसम्बर, 2025 दोपहर एक बजे तक रखा जायेगा। सभी श्रद्धालु, भक्त और अनुयायी उनके अंतिम दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण कर सकें। पूज्य स्वामी जी के आदर्शों को, उनकी दी हुई शिक्षाओं को, अद्भुत ज्ञान परम्परा की विरासत को हम आगे बढ़ाएँगे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के तहत विद्यालयीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

सबसे आगे, सबसे पहले, सबसे तेज़' की भावना से खेलें : डॉ. योगेंद्र

शशांक, जतिन, शिवम, मो अफान ने मारी बाजी, सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मुंशी काली प्रसाद कुल भास्कर जयंती समारोह के उपलक्ष्य में केपी इंटर कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के तहत विद्यालयीय बैडमिंटन प्रतियोगिता (बालक / बालिका) का आयोजन तीन वर्गोंसीनियर, जूनियर तथा सब-जूनियर में आज हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह थे। उन्होंने सर्वप्रथम मुंशी काली प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि एक श्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिए नियमित अभ्यास, अनुशासन तथा खेल भावना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि 'सबसे आगे, सबसे पहले, सबसे तेज़' की भावना से खेलें और विद्यालय का नाम गौरवान्वित करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश कुमार श्रीवास्तव ने तथा प्रतियोगिता का संचालन उमेश खरे ने किया।

प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान शशांक गौड़ रहे। दिव्य नारायण द्विवेदी को 21-19, 21 - 18 से हराकर विजेता बने। तृतीय स्थान पर साहिल यादव थे।

जूनियर बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर जतिन अल्बानी थे। शिवम कुमार को 21-17, 21-19 से पराजित कर खिताब जीता। तृतीय स्थान पर विशाल कुमार थे। सब-जूनियर बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर शिवम विश्वकर्मा (कक्षा 6), मो अफ़ान, कक्षा 6, को 21-18 से हराया। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान आयुषी कुमारी का रहा। नैंसी को 21-10, 21-15 से पराजित किया। विजेता खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य ने मेडल, ट्रॉफी एवं खेल प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक अक्षत मिश्रा, सार्थक, अंश एवं प्रियांशु कुमार थे। कार्यक्रम में सुदीप कुमार, राकेश कुमार, नितिन पटेल, फातिमा बनो, इंदू रानी, रिंकू बसु, सनी पांडे सहित सभी शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मां सीता रसोई की ओर से वृन्दावन मथुरा में चल रहा विशाल भण्डारा

भण्डारे से लोगों की करती रहूंगी सेवा : मनप्रीत कौर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज / वृन्दावन। मां सीता रसोई की डायरेक्ट वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती मनप्रीत कौर आज प्रयागराज में है। उन्होंने बताया कि मां सीता रसोई की ओर से वृन्दावन और मथुरा में दर्जनभर स्थानों पर विशाल भण्डारा चल रहा है जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और आसपास के लोग भण्डारे में परिवार सहित प्रसाद ग्रहण कर रहे है। वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती मनप्रीत कौर का कहना है कि मेरी सदैव इच्छा रही है कि बडी संख्या में लोगों को खाना उपलब्ध करा सकू जिससे उनको खाने की कोई परेशानी ना हो इसलिए अब भण्डारे से समाज सेवा जारी रहेगी।

मां सीता रसोई की ओर से श्री अयोध्या धाम में पांच वर्ष से विशाल भण्डारा दिन, रात चल रहा है जहां हजारों लोगों को नाश्ता, खाना और पानी मिल रहा है। इसी तरह से मां सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती श्रीमती मनप्रीत कौर ने वृन्दावन और मथुरा में दर्जनभर स्थानों पर दिन, रात विशाल भण्डारा चल रहा है जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु, आसपास के लोग प्रसाद ग्रहण कर रहे है।

मां सीता रसोई की डायरेक्टर श्रीमती मनप्रीत कौर की ओर से अयोध्या में, वृन्दावन और मथुरा में अनावरत भण्डारा चल रहा है।माघ मेला क्षेत्र में पहली बार कई स्थानों पर विशाल भण्डारा इस बार से चलाया जाएगा, जहां हजारों श्रद्धालुओं को दिन - रात चाय, नाश्ता, खाना और गर्म कपडे मिलेगे। मां सीता रसोई की डायरेक्ट, युवा उधमी श्रीमती मनप्रीत कौर की ओर से माघ मेला में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को पहली बार नाश्ता और खाने की सुविधा व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने जा रही है। श्रीमती मनप्रीत कौर इसके पूर्व कई वर्षो से अयोध्या में सीता मां की रसोई, वृन्दावन में कई स्थानों पर विशाल भण्डारा चला रही है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व तीर्थराज प्रयागराज के महाकुम्भ-2025 में कई स्थानों पर विशाल भण्डारा दिन, रात चलाकर लाखों श्रद्धालुओं को चाय, नाश्ता, खाना और गर्म कपडे दिए थे। श्रीमती मनप्रीत कौर ने बताया कि त्रैम्बकेश्वर (नासिक) कुंभ, हरिद्वार कुंभ और सिंहस्थ महाकुम्भ उज्जैन में भी विशाल भण्डारा चलाने की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गयी है जिससे कि अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को चाय, नाश्ता, खाना और गर्म कपडे मिल सके। उन्होंने बताया कि समाज सेवा अब जिन्दगी का लक्ष्य बन गया है इससे सुकून और शांति मिलती है।

मेला प्रशासन का माघ मेला के लिए गंगा पूजन आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेला प्रशासन का माघ मेला प्रयागराज के सकुशल आयोजन को लेकर गंगा पूजन मंगलवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे से संगम पर होगा। गंगा पूजन में कमिश्नर श्रीमती सौम्या अग्रवाल, मेलाधिकारी ऋषिराज, मेला एसडीएम विवेक शुक्ला, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी विमलदेव आश्रम, अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज, तीर्थपुरोहित सहित बडी संख्या में संत, महात्मा शामिल होगे। उधर, माघ मेलाधिकारी ऋषिराज ने बताया कि मंगलवार से जमीन आवंटन शुरू हो जाएगा, सबसे पहले मेलाक्षेत्र में शिविर लगाने के दण्डी संन्यासियों को जमीन आवंटित होगी।

कोलकाता के 'रेल उत्सव' में श्री प्रशांत कुमार मिश्रा की भारतीय रेलवे पर लिखी दो पुस्तकों का विमोचन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री प्रशांत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली, ने ईस्ट इंडियन रेलवे (ईं) की विरासत पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी और अपनी दो प्रतीक्षित पुस्तकें 'द हाईवे ऑफ हिंदोस्तानः द ईस्ट इंडियन रेलवे (1841-1871)' और 'ट्रैक्स ऑफ नेसेसिटीः रेलवे, फेमाइन एंड एम्पायर इन डेक्कन' लॉन्च कीं। यह कार्यक्रम रेल उत्सव के तहत कलकत्ता यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट, कोलकाता में रेल उत्साही समाज (रेल इंथुजियास्ट सोसाइटी) द्वारा आयोजित किया गया था।

'द हाईवे ऑफ हिंदोस्तानः द ईस्ट इंडियन रेलवे (1841-1871)' ईस्ट इंडियन रेलवे के प्रारंभिक वर्षों का सबसे व्यापक और प्रामाणिक इतिहास प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक पूरी तरह प्राथमिक स्रोतों पर आधारित है और दिखाती है कि कैसे इस रेलवे की स्थापना साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा से राष्ट्रीय परिवर्तन तक पहुँची। इसमें इंजीनियरिंग चमत्कार, औपनिवेशिक राजनीति, भूले-बिसरे मजदूरों और दूरदर्शी सुधारकों के जीवन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह केवल ट्रेनों की कहानी नहीं है, बल्कि साम्राज्य, प्रतिरोध और उस लोहे की रेल की कहानी है जिसने पूरे उपमहाद्वीप को जोड़ा।

'ट्रैक्स ऑफ नेसेसिटीः रेलवे, फेमाइन एंड एम्पायर इन डेक्कन' दक्षिणी मराठा रेलवे (एंईं) और वेस्ट ऑफ इंडिया पुर्तगाली गारंटीड रेलवे (ंघ्ईं) का विस्तृत इतिहास बताती है। कठिनाइयों के बीच जन्मी दक्षिणी मराठा रेलवे केवल लोहे की पटरी नहीं थी, बल्कि गरीब समुदायों के लिए जीवनरेखा साबित हुई। इसे एक विशाल 'फूड फॉर वर्क' परियोजना के रूप में विकसित किया गया और यह औपनिवेशिक भारत की सबसे गतिशील रेलवे प्रणालियों में से एक बन गई। साथ ही, ंघ्ईं ने ब्रिटिश भारत को पुर्तगालियो के अधीन स्थित गोवा से जोड़ा, धारवाड़ के कपास खेतों से मर्मुगाओ के गहरे बंदरगाह तक को जोड़ा। पुस्तक में भूले-बिसरे अभिलेखों के माध्यम से उस युग की महत्वाकांक्षा, राजनीतिक समझौते, मेहनती इंजीनियरो और धनी निवेशकों की कहानियाँ जीवंत रूप में प्रस्तुत की गई हैं। यह बताती है कि कैसे लोहे की पटरी ने अकाल-ग्रस्त क्षेत्रों, अलग-अलग उपनिवेशों और महत्वाकांक्षी सपनों को जोड़कर भारतीय उपमहाद्वीप की पहली रेलवे प्रणाली बनाई।

भारतीय रेलवे सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और रेलवे इतिहास लेखक पी. के. मिश्रा ने कहा कि भारतीय रेलवे के विकास में पूर्व रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भारत में सबसे शुरुआती दौर में इस इलाके मंझ रेल लाइनें बिछी, ट्रेनें चलीं। पूर्वी रेलवे तमाम तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए अस्तित्व में आया और संबर्धित व विकसित हुआ। श्री मिश्रा कोलकाता में आयोजित रेल उत्सव में आयोजित एक व्याख्यानमाला में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। पी.के. मिश्रा आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के महाप्रबंधक हैं। वे कपूरथला रेल कोच फैक्ट्री के महाप्रबंधक के अतिरिक्त प्रभार में भी हैं। संगोष्ठी में उन्होंने पूर्व रेलवे के निर्माण, इतिहास और विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी रेलवे ने महत्वपूर्ण रोल अदा किया है।श्री मिश्र ने रेलवे के इतिहास से संबंधित कई अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक जानकारियों से रेल अधिकारियों को अवगत कराया।

बता दें कि पीकेे मिश्र आसनसोल, मालदा और अलीपुरद्वार मंडल के डीआरएम रह चुके हैं। उन्होंने रेलवे के इतिहास पर महत्वपूर्ण शोध किया है। अपने विभिन्न स्थानों पर पदस्थापना के दौरान रेलवे के प्राचीन इमारतों और महत्वपूर्ण प्रतीकों को सजाने-संवारने के महत्वपूर्ण काम भी इन्होंने किया है।

रेलवे उत्साही, इतिहासकार और उपस्थित छात्र पुस्तकों की गहन शोध और आकर्षक शैली की सराहना करते हुए नजर आए।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें शामिल थेः श्री संजय मुखर्जी (सेवानिवृत्त सदस्य, वित्त रेलवे बोर्ड), श्री वी. एन. माथुर (अध्यक्ष, रेल इंथुजियास्ट सोसाइटी), श्री एस. एस. डे (सचिव, पब्लिशर्स गिल्ड) एवं श्री जस्टिस एस. पाल (अध्यक्ष, ण्ळघ), श्री विशाल कपूर (डीआरएम हावड़ा), श्री अतुल्य सिन्हा (रेल साहित्य विशेषज्ञ), सुश्री आशीमा मेह्रोत्रा (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर/हेरिटेज रेलवे बोर्ड), श्री सौरसंखा माजी (रेल शोधकर्ता और रेल इंथुजियास्ट सोसाइटी सदस्य), श्री सचिन सुशील (फिल्म निर्देशक), श्री देबाशीष मुखोपाध्याय, श्री आशाद सिद्दीकी (प्रसिद्ध रेलवे क्विज़ मास्टर), श्री यतीश कुमार (मुख्य कार्यशाला प्रबन्धक लिलुआह वर्कशॉप), श्री सत्येंद्र नाथ तिवारी (वरिष्ठ डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर हावड़ा), श्री आर. एन. तिवारी (सचिव/महाप्रबंधक और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एमसीएफ), श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव (जन संपर्क अधिकारी एमसीएफ), श्री अभिजित बरुआ (कॉमर्शियल इंस्पेक्टर ईस्टर्न रेलवे), और श्री अमितेश कुसवाहा (प्रोटोकॉल इंस्पेक्टर)।

सम्पादकीय

वृद्धि की दर! बेवजह नहीं कि सरकार के ताजा आंकड़ों पर उठ रहे कुछ सवाल

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आने वाली सकारात्मक खबरें निश्चित तौर पर एक राहत का संदेश होती हैं। खासतौर पर जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुस्तरीय उथल-पुथल के बीच देश कई विपरीत स्थितियों का सामना कर रहा हो, आर्थिक विकास दर में सामान्य से अधिक बढ़ोतरी के आंकड़े बताते हैं कि अगर समाधानमूलक उपायों को लागू करने को लेकर संजीदगी बरती जाए, तो रास्ते निकाले जा सकते हैं।

ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 8.2 फीसद बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि करीब सात फीसद के अनुमान से अधिक है।

दरअसल, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन के बेहतर नतीजे सामने आए। सही है कि इस समय कृषि क्षेत्र सुस्ती के दौर से गुजर रहा है, लेकिन कारखाना उत्पादन और सेवा क्षेत्र में तेज प्रगति देखी गई, जिसने कृषि क्षेत्र में आई शिथिलता को बेअसर कर दिया।

जाहिर है, जीडीपी वृद्धि दर के ताजा सरकारी आंकड़े को आर्थिक मोर्चे पर एक उपलब्धि के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन अगर इसका असर जमीनी स्तर पर भी स्पष्ट दिखे और जनता को उसका लाभ सीधे महसूस हो, तभी इसका कोई अर्थ है।

निश्चित तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई शुल्क नीति के दायरे में भारत भी है और इससे इसके निर्यात क्षेत्र पर खासा प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग जगहों पर युद्धों और अन्य अनिश्चितताओं के कारण भी बहुत सारे देशों की अर्थव्यवस्थाएं लगातार बचाव या जद्दोजहद की स्थिति से गुजर रही हैं। ऐसे में अगर भारत ने वृद्धि दर के मोर्चे पर अनुमान से अधिक हासिल किया है, तो यह अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है।

मगर सवाल यह है कि जिस महंगाई दर के आंकड़े के आधार भी वृद्धि दर के आंकड़े में शामिल माने जाते हैं, क्या उसमें वास्तव में इतनी कमी आई है? महंगाई दर के कम होने को लेकर सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के बरक्स यह छिपा नहीं है कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों के मामले में आम लोगों के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं।

यह बेवजह नहीं है कि सरकार के ताजा आंकड़ों पर कुछ सवाल उठ रहे हैं और कहा जा रहा है कि जब तक निजी निवेश और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में वास्तविक उछाल नहीं आता, तब तक ऐसे आंकड़े टिकाऊ नहीं हो सकते। दूसरी ओर, सरकार की ओर से जीडीपी वृद्धि दर को लेकर ये आकलन ऐसे समय जारी किए गए, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ ने अपनी एक रपट में भारत की अर्थव्यवस्था के वार्षिक मूल्यांकन में यहां के राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों में गंभीर खामियां बताते हुए इन्हें 'सी' श्रेणी में रखने की बात कही है।

आंकड़ों की गुणवत्ता के लिहाज से इसे दूसरा सबसे निचला स्तर माना जाता है। आइएमएफ की रपट चिंता का कारण इसलिए भी है कि इसकी रपटों के आधार पर कई बार उपलब्धियों को सकारात्मक बताया जाता है, तो इसकी ओर से भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में ताजा आकलन को किस संदर्भ में देखा जाएगा। जो हो, जीडीपी वृद्धि दर को लेकर एनएसओ के आंकड़े अगर अर्थव्यवस्था के वास्तविक धरातल पर सही हैं, तो यह देश के लिए राहत की बात है।

नकली बीज बड़ी समस्या! सरकार की मंशा पर हमेशा संदेह सही नहीं, किसानों की चिंता को सुना जाना भी जरूरी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से हाल में जारी बीज विधेयक 2025 का मसविदा किसानों, कृषि विशेषज्ञों और उद्योग जगत के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकार ने सभी हितधारकों से इसके प्रावधानों पर ग्यारह दिसंबर 2025 तक सुझाव मांगे हैं। प्रस्तावित विधेयक मौजूदा बीज अधिनियम, 1966 और बीज (नियंत्रण) आदेश, 1983 का स्थान लेगा। मसविदा छोटी श्रेणी के अपराधों को अपराधमुक्त करने, व्यापार सुगमता बढ़ाने और अनुपालन का बोझ कम करने पर जोर देता है।

सरकार का दावा है कि यह कानून बाजार में उपलब्ध बीजों और रोपण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा। इससे किसानों को किफायती दरों पर अच्छे बीज उपलब्ध होंगे, नकली और घटिया बीजों की बिक्री पर अंकुश लगेगा, नवाचार और नई वैश्विक किस्मों का रास्ता खुलेगा। बीज आपूर्ति श्रृंखला अधिक पारदर्शी बनेगी। सरकार के दावों के बावजूद इस मसविदे पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

देश में नकली बीज किसानों के लिए एक बड़ी समस्या बन चुके हैं। हाल में मुंबई में आयोजित एशियाई बीज कांग्रेस-2025 में केंद्रीय कृषि मंत्री ने भी माना कि नकली बीज किसानों के लिए विनाशकारी साबित हो रहे हैं। बीज उत्पादक किसानों को दिए जाने वाले बीजों की ठीक से जांच करें, क्योंकि किसान की एक साल की फसल बिगड़ी, तो उसकी पांच साल तक हालत बिगड़ जाती है। यह कथन जमीनी सच्चाई को पूरी तरह बयान करता है।

देश के लगभग सभी राज्यों में किसानों को नकली और मानकों पर खराब गुणवत्ता वाले बीज बेचे जा रहे हैं। नतीजा यह कि या तो अंकुरण नहीं होता या होता है, तो उत्पादकता बहुत कम निकलती है। ऐसे मामलों में किसान अक्सर कर्ज के जाल में फंस जाते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, घटिया बीजों से जीआइ टैग वाली फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। निर्यात अस्वीकृत हो जाता है और देश की कृषि साख को भी नुकसान पहुंचता है। यह संकट केवल बीजों तक सीमित नहीं है। खाद और कीटनाशक भी बड़े पैमाने पर नकली पाए जा रहे हैं।

लोकसभा में सरकार द्वारा हाल में दी गई जानकारी समस्या की गंभीरता को उजागर करती है। सरकार के अनुसार वर्ष 2023-24 में 1, 33, 588 बीज नमूने लिए गए, जिनमें 3, 630 नमूने खराब पाए गए। वर्ष 2023-24 के दौरान 1, 81, 153 उर्वरक नमूनों में से 8, 988 नमूने मानकों के अनुरूप नहीं थे। इसी प्रकार 80, 789 कीटनाशक नमूनों में से 2, 222 नमूने नकली पाए गए।

अन्य आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में जांचे गए 2.53 लाख नमूनों में 32, 525 बीज घटिया पाए गए। तेलंगाना, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं, जहां बीजों में गड़बड़ी के सर्वाधिक मामले सामने आए हैं। राजस्थान में छापेमारी अभियान में नकली बीजों के कई मामले पकड़े गए। राज्य में अब तक 73 विक्रेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

बड़ा सवाल यह भी है कि विधेयक के मसविदे में सजा के जो प्रावधान किए गए हैं, वे कितने असरदार होंगे? सरकार के अनुसार नया कानून नकली बीजों के धंधे पर नकेल कसने के लिए तीन स्तरों पर कड़े दंड का ढांचा तैयार करता है। सरकार का दावा है कि कानूनी प्रावधानों से बाजार में अनुशासन आएगा, तो फिर किसान संगठन विरोध क्यों कर रहे हैं?

किसान संगठनों का सवाल है कि क्या इससे किसानों की फसल खराब होने पर मुआवजे की समस्या सुलझ पाएगी? किसान संगठनों का कहना है कि यह मसविदा कई अहम पहलुओं को छूता ही नहीं है। खराब बीज मिलने पर किसानों के लिए मुआवजे का प्रावधान नहीं है। यह कानून कंपनियों पर जुर्माना तो लगाता है, पर नुकसान किसे भरना है, यह साफ नहीं है। फसल खराब होने पर किसानों को सीधे मुआवजा देने का ठोस प्रावधान नहीं है। 'ट्रांसजेनिक' बीजों के आयात और बिक्री पर सुरक्षा उपाय अपर्याप्त हैं।

उनका आरोप है कि अगर यह विधेयक पास हो गया, तो बीज आयात बढ़ेगा और स्थानीय बीज विविधता खतरे में पड़ जाएगी। किसान संगठनों को बीज महंगा होने का डर भी है। उनका मानना है कि 'लाइसेंसिंग' और प्रमाणन प्रक्रियाएं छोटी कंपनियों और स्थानीय बीज उत्पादकों के लिए बोझ बढ़ाएंगी जिससे बाजार पर कुछ बड़ी कंपनियों का नियंत्रण बढ़ सकता है।

सरकार किसानों को नकली बीजों से बचाने के लिए यह कानून लेकर आना चाहती है। इसलिए जरूरी नहीं कि सरकार की मंशा पर हमेशा संदेह ही किया जाए, लेकिन इसके साथ किसानों की चिंता को सुना जाना और उनका समाधान तथा आशंकाओं को खत्म करना भी जरूरी है।

एक रपट के अनुसार, खेती में बीजों का योगदान कुल फसल उत्पादन का 15-20 फीसद है। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों तक पहुंच किसानों की आजीविका, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और कृषि अर्थव्यवस्था तीनों के लिए निर्णायक है। आर्थिक लालच, कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाओं, ढीले नियम और किसानों में जागरूकता की कमी के कारण नकली बीजों की समस्या पैदा हुई है। लिहाजा, नया कानून तभी सफल होगा, जब इसमें किसान, कंपनियों और राज्य एजंसियों की वास्तविक स्थितियों को ध्यान में रखा जाएगा। सरकार को नए कानून को और मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाने चाहिए। सबसे जरूरी यह है कि किसानों और किसान संगठनों की आशंकाओं पर विचार कर उन्हें आश्वस्त किया जाए।

किसान संगठनों की आशंका है कि नए कानून से बड़ी कंपनियों का बीज कारोबार पर कब्जा हो जाएगा। ऐसे में सरकार को छोटे और स्थानीय बीज उत्पादकों के लिए अलग से सरल 'लाइसेंसिंग' का प्रावधान करना चाहिए। जो लोग छोटे पैमाने पर बीज उत्पादन करना चाहें, उन्हें लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने की तर्ज पर बीजों के प्रमाणन में तकनीकी सहायता और रियायतों का प्रावधान किया जा सकता है। इससे एक ओर जहां बाजार में विविधता बनी रहेगी, वहीं एकाधिकार का खतरा भी कम होगा।

सरकार को हर बीज की थैली पर सूचनाएं अनिवार्य कर देना चाहिए, जिससे नकली बीजों पर अंकुश लग सके। बीजों के नमूनों की जांच प्रणाली का विस्तार करना भी बहुत आवश्यक है। इस काम के लिए राज्यों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि ज्यादा नमूने लिए जा सकें। ग्रामीण स्तर पर नमूने लेने के लिए सचल प्रयोगशाला जैसी व्यवस्था भी कारगर हो सकती है। इसके साथ किसानों में जागरूकता भी लाने की जरूरत है।

बीज विधेयक 2025 के मसविदे में निश्चय ही नकली बीजों के खिलाफ सख्ती दिखती है, लेकिन अगर किसानों की फसल सुरक्षा, मुआवजा और स्थानीय बीजों के संरक्षण को भी विधेयक में उचित और प्रभावी स्थान मिल जाए, तो किसानों को आश्वस्त करने में मदद मिलेगी। सरकार का इरादा साफ हो सकता है, लेकिन इस मामले में किसान संगठनों की चिंताएं भी उतनी ही वास्तविक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि दोनों पक्ष संवाद की मेज पर बैठें और कानून को ऐसे रूप में लाएं जो किसान, उपभोक्ता और कृषि-व्यवस्था तीनों के हित में हो। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि देश किसी तरह का कोई आंदोलन नहीं चाहता।

परमार्थ एक स्थिर आनंद, यह स्वार्थ लोभ और इच्छाओं से परे

बचपन से हम सब अपने बड़े-बुजुर्गों से यह सुनते आए हैं कि 'कर भला तो हो भला'। यानी अगर हम किसी का भला करें तो हमारा भी भला होगा। सीधे-सादे अर्थों में कहा जाए, तो अगर हम किसी के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे, दूसरों का भला करेंगे, तो अंत में किसी न किसी रूप में हमारा भी भला होगा। लेकिन वह कब और कैसे होगा, यह हम नहीं जानते हैं। सवाल है कि इस कहावत का अर्थ सिर्फ इसके शब्दों तक सीमित है या इसके कुछ गूढ़ मर्म भी हैं? सामाजिक रूप से यह एक प्रसिद्ध कहावत है, जो अपनी तहों में छिपे संस्कारों और नैतिक मूल्यों की गहराई को दर्शाता है।

कहावत का मर्म चाहे जो भी हो, लेकिन जब हमारे बुजुर्गों ने हमें यह सलाह के तौर पर कहा होगा, तो उस समय उनका यह मंतव्य जरूर रहा होगा कि हम सभी को बिना स्वार्थ के एक दूसरे की भलाई करनी चाहिएष्ठ एक दूसरे के बारे में अच्छा सोचना चाहिएष्ठ असहाय और असमर्थ लोगों की मदद करते रहनी चाहिए तथा सच्चाई के रास्ते पर चलते रहना चाहिए। यह दरअसल एक सकारात्मक ऊर्जा है, जो किसी के व्यक्तित्व में निखार लाती है, उसे बेहतर इंसान बनाती है।

यह सही भी है कि जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं या सामाजिक और सेवा के कार्यों में सहयोग करते हैं, तो समाज हमें आभार देता है, हमारा सम्मान करता है। जो हमें आंतरिक खुशी देता है। जब हम दूसरों के साथ ईमानदारी और प्रेम भरा व्यवहार करते हैं, दूसरों के बारे में अच्छा सोचते हैं, तो हमारे रिश्ते मजबूत और सुखद होते हैं। यह सुखमय जीवन जीने की एक सुंदर नीति है। इसमें भला करने वाला भी सुखी महसूस करता है और जिसका भला हो रहा है, वह भी आनंदित महसूस करता है।

मनुष्य को इस सुख की अत्यंत आवश्यकता होती है, क्योंकि मनुष्य का जीवन अनेक समस्याओं से उलझा हुआ रहता है। कभी हम रोग से लड़ रहे होते हैं, तो कभी हम अपने अंदर के क्षोभ से लड़ रहे होते हैं। अब यह क्षोभ और कुछ भी हो सकता है। आर्थिक स्थिति के कारण हो सकता है, सामाजिक या फिर पारिवारिक स्थिति के कारण हो सकता है। इसके अनेक कारण हो सकते हैं।

जीवन के हर नए दिन में मनुष्य को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और इनसे लड़ने के लिए आंतरिक सकारात्मक ऊर्जा की बहुत जरूरत पड़ती है। जीवन की इन उलझनों को सुलझाने और प्रगति के पथ पर आई बाधाओं को हटाने में हमारी बहुत सारी ऊर्जा का बड़ा भाग खर्च होता रहता है। फिर भी हम सारी समस्याओं का हल नहीं कर पाते हैं। कुछ तो अपने चक्रव्यूह में ऐसे उलझा लेती हैं कि उसमें से निकलना असंभव हो जाता है।

जीवन में मनुष्य के अनुकूल परिस्थितियां जितनी रहती हैं, उससे ज्यादा प्रतिकूल परिस्थितियों का उसे सामना करना पड़ता है, मनुष्य को भीतरी रूप से क्षतिग्रस्त करती हैं। हमारे अंदर निरंतर नई अपेक्षाएं भी जन्म लेती रहती हैं, जिनमें से कुछ पूरी होती हैं और कुछ हमारे सामर्थ्यवान न होने और परिस्थितियों के विपरीत होने के कारण उनका पूर्ण होना कठिन हो जाता है। ऐसी स्थिति में हमारे मन में क्षोभ, खिन्नता उपजती है। इतनी सारी मानसिक दुविधाओं के साथ जीवन जीना आसान बिल्कुल नहीं है। इसकी तोड़ हमारे बड़े-बुजुर्गों ने निकाला कि 'कर भला तो हो भला'। यह शब्द सिर्फ हमें यह नहीं सिखाता कि दूसरों का भला करने से हमारा भला होता है, बल्कि हमें दुख में भी सुखी रहना सिखाता है, क्योंकि यह हमें दूसरों को देकर खुश रहना सिखाता है।

जब हम एक बार दूसरों को देकर खुशी प्राप्त करना सीख लेते हैं, परमार्थ से आनंद प्राप्त करने लगते हैं, तो अपनी इच्छाओं की पूर्ति से होने वाली खुशी गौण होने लगती है और इच्छाएं सीमित होने लगती हैं। परमार्थ एक स्थिर आनंद है जो भीतर से उत्सर्जित होता है। कभी किसी भूखे को भोजन करने के बाद या किसी असहाय की मदद करने के बाद जो आनंद चित्त को प्राप्त होता है, वह अतुलनीय होता है।

जब दुनिया को हम परमार्थ के दृष्टिकोण से देखने लगते हैं, तो दूसरों की खुशी में ही हमें आनंद की प्राप्ति होने लगती है। यह आनंद स्वार्थ, लोभ और इच्छाओं से परे होता है। उसके बाद अपने जीवन में जितने भी दुख, तकलीफ, उलझन या राह में रोड़े होते हैं, हमें उतनी तकलीफ नहीं देते हैं, जितना ये पहले देते थे। दरअसल, परमार्थ हमें स्वार्थ, लोभ, इच्छाओं से बहुत ऊपर उठा कर ले जाता है। यह किसी भौतिक वस्तु से या परिस्थिति से मिलने वाली खुशी से बहुत ज्यादा आनंद देता है, भीतर से संतोष और आनंद निर्माण करता है। हमारे भीतर प्रेम, करुणा, शांति का स्रोत खुल जाता है। यही आनंद का सच्चा स्रोत है।

शायद इसी स्रोत से हमारा परिचय करवाने के लिए बड़े-बुजुर्ग कहते थे 'कर भला तो हो भला'। भला करना परमार्थ है और परमार्थ से ही सारे आनंद द्वार खुलते हैं। धन, प्रतिष्ठा, भोग, विलास हमारे जीवन को वास्तविक सुख नहीं दे सकते है और न ही इससे पूरी तरह मन को शांति मिल सकती है। भौतिक सुख अस्थायी होता है। यह सिर्फ वस्तु और परिस्थिति पर ही निर्भर करता है, लेकिन जब मनुष्य एक बार अपने भीतर से संतुष्ट हो जाता है, तो उसे किसी बाहरी वस्तु की उतनी अपेक्षा नहीं रह जाती है। असली सुख और आनंद परमार्थ से उपजते है। इसीलिए भला करते रहना दूसरों से ज्यादा स्वयं को सुखी रखने का संसाधन है।

सत्ता लोलुपता से आई कांग्रेस बिखराव के कगार पर

कर्नाटक में सत्ता के लिए मचा संग्राम कांग्रेस की जगहसाई का कारण बन गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही मारामारी से जाहिर है कि कांग्रेस का अनुशासन से कोई वास्ता नहीं रह गया है। सत्ता की कमजोरी कांग्रेस के बिखराव का कारण बनी हुई है। शिवकुमार धड़ा 2023 में सरकार बनाने के समय तय फॉर्म्युला को लागू करने की मांग कर रहा है। यह निश्चित है कि यदि शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद नहीं मिला तो पार्टी में विद्रोह के हालात पैदा होंगे। पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस में सत्ता को लेकर घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस अपने स्थापनाकाल से 70 बार टूटी-बिखरी है। कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस के अंदर संकट गहराता चला जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनावी सफलताओं को छोड़ दें बीते 8 सालों में देश की सबसे पुरानी पार्टी की हालत लस्त-पस्त नजर आ रही है। एक ओर जहां कांग्रेस अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी कर रही थी तो दूसरी ओर इस पद के दावेदार अशोक गहलोत के समर्थकों ने ही बगावत का झंडा उठा लिया था। सचिन पायलट 28 विधायकों के साथ बागी हो गए थे वो अब कांग्रेस के सिपहसालार नजर आ रहे हैं तो दूसरी ओर गांधी परिवार के बेहद करीबी अशोक गहलोत ने अपने ही समर्थक विधायकों की बगावत पर हाथ खड़े कर दिए।

कांग्रेस में टूट और बगावतों का इतिहास एक लंबा चौड़ा इतिहास रहा है। कांग्रेस का इतिहास ऐसी ढेरों घटनाओं से भरा हुआ, जब कांग्रेस की सत्ता को लेकर हुई टूट से किरकिरी हुई है। मोतीलाल नेहरू और सुभाष से लेकर गुलाम नबी आजाद तक, कांग्रेस में विद्रोह और टूटने इतिहास रहा है। 28 दिसंबर 1985 को अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यूम की अध्यक्षता में कांग्रेस का गठन किया गय था। इसमें दादा भाई नौरोजी और दिनशा वाचा भी शामिल थे। कांग्रेस का पहला अध्यक्ष व्योमेश चंद्र बनर्जी को बनाया गया था। कांग्रेस बनाने की उद्देश्य ब्रिटिश सरकार और भारत के नेताओं और आम जनता के बीच संवाद कायम करना था। लेकिन बाद में यह पार्टी आजादी के आंदोलन का सबसे प्रमुख मंच बन गई।

साल 1922 में चौरी चौरा कांड की वजह से गांधी जी ने असयोग आंदोलन वापस ले लिया था। ये कांग्रेस के अंदर ही कुछ नेताओं को अच्छा नहीं लगा क्योंकि उनको लगता था। ये आंदोलन अंग्रेज सरकार को उखाड़ फेंकने की स्थिति में आ गया था। इसके बाद इसी साल गया कांग्रेस अधिवेशन हुआ जिसमें तय किया गया कि कांग्रेस के नेता विधान परिषद के चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। इस फैसले से चितरंजन दास नाराज हो गए। खास बात ये थी कि अधिवेशन उन्हीं की अध्यक्षता में हो रहा था। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। अगले साल यानी 1923 में उन्होंने नरसिंह चिंतामन केलकर और मोतीलाल नेहरू बिट्ठलभाई पटेल के साथ मिलकर कांग्रेस स्वराज्य पार्टी का गठन किया। जिसके अध्यक्ष चित्तरंजन दास और महासचिव मोतीलाल नेहरू सचिव बनाए गए।

गांधी जी सुभाष चंद्र बोस की नीतियों से सहमत नहीं थे। वो सुभाष की जगह किसी और को कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते थे। लेकिन सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि ऐसा अध्यक्ष बने जो अंग्रेजों से सत्ता छीनने के आए मौके को नहीं गंवाए। उस समय देश की प्रमुख हस्तियां भी सुभाष चंद्र बोस को ही कांग्रेस अध्यक्ष पद पर देखना चाहते थे। लेकिन गांधी जी ने पट्टाभि सीतारमैय्या को चुनाव के लिए खड़ा कर दिया। माना जा रहा था कि पट्टाभि सीतारमैय्या आसानी से चुनाव जीत जाएंगे क्योंकि उनको गांधी जी का आशीर्वाद था। लेकिन नतीजे गांधी जी को चौंकाने वाले थे। 203 वोटों से नेता जी सुभाष चंद्र बोस चुनाव जीत गए थे। लेकिन अध्यक्ष होने के बाद भी कांग्रेस के अंदर की गुटबाजी की वजह से परेशान होकर सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। 1939 में उन्होंने अखिल भारतीय फारवर्ड ब्लाक नाम से अलग पार्टी बनाई।

जीवटराम भगवानदास कृपलानी यानी जेपी कृपलानी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। आजादी के समय यानी साल 1947 में कृपलानी ही कांग्रेस के अध्यक्ष थे। हालांकि उस समय के घटनाक्रमों पर नजर डालें तो नेहरू और पटेल से वो सिद्धांतों के आधार पर असहमत थे। 1950 में जब कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ तो नेहरू जेपी कृपलानी का समर्थन किया था। जबकि सरदार पटेल पुरुषोत्तम दास टंडन के पक्ष में थे। इस चुनाव में पुरुषोत्तम दास टंडन की जीत हुई। हार से नाराज और गांधी जी के सपनों को अधूरा होते देख जेपी कृपलानी 1951 से अलग हो गए। उन्होंने किसान मजदूर पार्टी बनाई। बाद में यह समाजवादी पार्टी में मिल गई। सी राजगोपालाचारी स्वतन्त्र भारत के दूसरे गवर्नर जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे। सरदार पटेल के निधन के बाद उनको गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन कांग्रेस में मतभेद के चलते उन्होंने 1956 में इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी का गठन किया था।

1959 में कांग्रेस में सबसे बड़ी बगावत हुई और पार्टी बिहार, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा में टूट गई। इसके कुछ सालों बाद केएम जार्ज की अगुवाई में केरल कांग्रेस का गठन हुआ। 1967 में चौधरी चरण सिंह ने कांग्रेस से अलग होकर भारतीय क्रांति दल बनाया जिसे आज आरएलडी कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को ही 12 नवंबर 1969 को कांग्रेस से बाहर कर दिया गया। यह कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी घटना थी। इसके बाद इंदिरा ने नई कांग्रेस (आर) बनाई। बाद में इसका नाम कांग्रेस आई रखा गया। वर्तमान में यही कांग्रेस है जिसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कहा जाता है। 1984 में राजीव गांधी से नाराज होकर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जनमोर्चा नाम से पार्टी बनाई। जिसके बाद यह भी कई खंड-खंड हो गई जिससे जनता दल, जनता दल (यू), राजद और समाजवादी पार्टी जैसी छोटी पार्टियों का जन्म हुआ।

साल 1999 में कांग्रेस फिर एक बड़ा विद्रोह हुआ। शरद पवार ने राष्ट्रीय कांग्रेस, ममता बनर्जी ने टीएमसी और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, जनता कांग्रेस, ओडिशा में बीजू जनता दल और जम्मू-कश्मीर में मुफ्ती मोहम्मद सईद की अगुवाई में पीडीपी का गठन हुआ। बीते साल 2021 में पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी के कद्दवार नेता रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी कांग्रेस छोड़कर पंजाब लोक कांग्रेस बनाई और कुछ दिन पहले पार्टी का बीजेपी में विलय कर दिया है। संसद में कांग्रेस का प्रमुख चेहरा रहे गुलाम नबी आजाद ने भी गांधी परिवार से अलग होकर नई पार्टी बनाने ऐलान कर दिया। चुनावों में लगातार हो रही हार और पार्टी में आमूलचूल परिवर्तन को लेकर उनकी ओर से सोनिया गांधी को चिट्ठी भी लिखी गई। इसमें पार्टी के 23 प्रमुख नेता शामिल थे। गुलाम नबी आजाद को उसी दिन से बागी गुट का नेता मान लिया गया था।

पिछले 10 साल में लगातार कमजोर होती जा रही है। कई बड़े नेता पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। गुलाम नबी आजाद, कांग्रेस प्रवक्ता जयवीर शेरगिल, गुजरात नेता पूर्व कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल, नरेश रावल और राजू परमार, कपिल सिब्बल, पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़, पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार, आरपीएन सिंह पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। अमर्यादित आचरण और भ्रष्टाचार कांग्रेस की नियति बन चुकी है। कांग्रेस इनके खिलाफ कोई नजीर पेश नहीं कर सकी। नेतृत्व के ढुलमुल रवैये और अनुशासन की कमी से कांग्रेस जर्जर होती जा रही है। सत्ता की लोलुपता ने कांग्रेस को देश से समेट कर चंद राज्यों तक सीमित कर दिया है। पार्टी की रीति-नीति के खिलाफ चलने वालों को कांग्रेस यदि तगड़ा सबक सिखाती तो सत्ता की खातिर टूट-फूट की नौबत नहीं आती।

गृह विज्ञान विभाग में छात्र परिषद का गठन रचनात्मक प्रतियोगिताओं में दिखी छात्राओं की प्रतिभा

भदोही। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में सोमवार को छात्र परिषद का गठन किया गया। अध्यक्ष पद पर श्रद्धा राय, उपाध्यक्ष पद पर वैष्णवी, सचिव पद पर रागिनी तिवारी तथा उपसचिव पद पर निर्जला यादव सर्वसम्मति से चुनी गईं। इसी प्रकार कक्षा प्रतिनिधि के रूप में मुस्कान, गूंजा, अनु गिरी और नीलू का चयन हुआ।

परिषद गठन के बाद वॉल हैंगिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें 25 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसमें रागिनी तिवारी प्रथम, संध्या द्वितीय और श्रद्धा तृतीय रहीं। वहीं ग्रीटिंग कार्ड निर्माण प्रतियोगिता में काजल यादव ने प्रथम, खुशबू शर्मा ने द्वितीय, और निर्जला यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय औराई में शिक्षक व मार्गदर्शक की भूमिका में नजर आए जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले के शासकीय आवासीय विद्यालयों की वास्तविक स्थिति जानने और छात्राओं को उपलब्ध शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औराई का अचानक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर, कक्षाओं, छात्रावास, भोजनालय और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं से संवाद स्थापित कर पढ़ाई, पाठ्यक्रम, शिक्षकों की उपस्थिति और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बेटियों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और जीवन मूल्यों पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी भोजनालय पहुंचे और निर्धारित मेन्यू के अनुसार परोसे जा रहे भोजन का स्वाद लेकर गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने स्वच्छता, पोषण और भोजन की गुणवत्ता को संतोषजनक पाया। साथ ही छात्राओं से उनकी राय भी जानी और भोजन व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न होने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार कक्षा में पहुंचे और शिक्षक की भूमिका में छात्राओं से पाठ्यक्रम संबंधी प्रश्न पूछे। उन्होंने उनकी प्रतिभा और उत्तरों की सराहना करते हुए शिक्षिकाओं व वार्डेन को छात्राओं की शिक्षा, अनुशासन और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

विद्यालय की साफ-सफाई, रसोईघर, छात्रावास और पुस्तकालय की व्यवस्था से जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया और विद्यालय प्रशासन को बेहतर कार्य जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया। इसके दौरान छात्राओं ने अपनी समस्याएं भी जिलाधिकारी के समक्ष रखीं, जिनके समाधान हेतु उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि कस्तूरबा विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटियों के लिए शिक्षा, सुरक्षा और संसाधनों का मजबूत केंद्र हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई हो।

निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन से छात्राओं के समग्र विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इन विद्यालयों को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगा, ताकि छात्राएं सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त भविष्य की ओर आगे बढ़ सकें। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, प्रिंसिपल, शिक्षकगण और अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस

अभियान के अंतर्गत सभी थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा म्ैंीम्स ुदन.ग्ह पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम के दौरान समस्त थानों पर नियुक्त एंटी रोमियो टीम द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही टेंप्लेट भी वितरित किए गए।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली को सीडीओ ने दिखाई हरी झंडी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जनपद में जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में जिला स्वास्थ्य समिति भदोही द्वारा के.एन.पी.जी. कॉलेज परिसर से एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली को सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में कॉलेज के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने 'बाधाएं होंगी दरकिनार एचआईवी और एड्स पर होगा सशक्त प्रहार' जैसे संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने कहा कि एचआईवी केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से जुड़ा विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचआईवी छुआछूत से नहीं फैलता, बल्कि असुरक्षित यौन संपर्क, संक्रमित रक्त, नशीले पदार्थों की सुई साझा करने या माँ से बच्चे में फैल सकता है। सुरक्षित व्यवहार और समय पर जांच ही इसका सबसे प्रभावी बचाव है।

सीडीओ ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा के चलते एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी से एचआईवी को नियंत्रित किया जा सकता है और प्रभावित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। इसलिए यह डरने की नहीं, बल्कि समझने और संभालने की स्थिति है।

उन्होंने लोगों से समाज में फैल रही भ्रांतियों, गलतफहमियों और भेदभाव को समाप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति हमारे समर्थन, सम्मान और सहानुभूति के पात्र हैं। विश्व एड्स दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि लड़ाई केवल वायरस से नहीं, बल्कि अज्ञानता और भय से भी है। कार्यक्रम में के.एन.पी.जी. कॉलेज के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं, स्वास्थ्यकर्मी एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रहस्यमय परिस्थितियों में मिला विवाहिता का शव

मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर के पूरे गुलाब नई बस्ती में शनिवार की रात एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। 32 वर्षीय रेखा कौशल का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि मृतका के पति गोपाल कौशल, निवासी वार्ड 12 पूरे गुलाब, ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की।

इधर, मृतका के मायके पक्ष ने इसे स्पष्ट हत्या करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका के पिता गुलाब चन्द्र कौशल, निवासी चका (थाना उतरांव, प्रयागराज), ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी का विवाह वर्ष 2016 में निमहरा मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि दामाद शराबी और अय्याश प्रवृत्ति का है, जो आए दिन रेखा को मारता-पीटता था।

परिजनों का आरोप है कि घटना की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई, और जब वे बेटी के घर पहुंचे तो रेखा का शव पहले ही पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका था। मृतका के दो छोटे बच्चे युग और चिम्पू ने भी रोते हुए बताया कि बीती रात पिता ने मां को बुरी तरह पीटा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक धाराएं बढ़ाई जाएंगी। यह भी सामने आया है कि आरोपी गोपाल कौशल की यह दूसरी शादी है और पहली पत्नी की हत्या के मामले में वह जेल की सजा भी काट चुका है। घटना से क्षेत्र में आक्रोश और शोक का माहौल है।

सीतामढ़ी चौकी का एसपी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा सोमवार को थाना कोइरौना क्षेत्र अंतर्गत सीतामढ़ी पुलिस चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने चौकी परिसर की सभी व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

एसपी ने सबसे पहले चौकी में रखे रजिस्टरों एवं अभिलेखों के रख-रखाव, एन्ट्री के स्तर तथा दस्तावेजों की सही मेंटेनेंस की जांच की। उन्होंने संबंधित पुलिस कर्मियों को अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी शिकायत या जांच के समय सूचना उपलब्ध कराने में विलंब न हो।

चौकी के पीए सिस्टम को दुरुस्त करने, फ्लेक्सी बोर्ड को अपडेट कराने तथा पूरे चौकी परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर करने पर विशेष जोर दिया। एसपी ने कहा कि चौकी परिसर का वातावरण स्वच्छ और व्यवस्थित होना चाहिए, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति सकारात्मक संदेश जाए।

इसके साथ ही उन्होंने सीतामढ़ी मंदिर परिसर का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा की दृष्टि से मुख्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने हेतु एक टीवी चौकी में स्थापित किया जाए, ताकि किसी भी गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने चौकी में तैनात सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्तम टर्नआउट, अनुशासन और समयबद्धता बनाए रखने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जनता के संपर्क मंथ रहने वाले पुलिस कर्मियों का व्यवहार और प्रस्तुति दोनों दुरुस्त होना आवश्यक है।

भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की बढाई समय सीमा

एसआईआर अभियान में मिला एक सप्ताह का अतिरिक्त समय

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अहर्ता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एंई) की घोषित तिथियां को एक सप्ताह बढ़ाते हुए संशोधित तिथियां जारी कर दी गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधन तिथियां के अनुसार 11 दिसम्बर 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। मतदेय स्थलों का संभाजन भी 11 दिसम्बर, 2025 तक किया जाएगा। 12 दिसंबर से 15 दिसंबर, 2025 तक कंट्रोल टेबल का अद्यतनीकरण एवं आलेख्य नामावली की तैयारी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर, 2025 को निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन होगा। 16 दिसम्बर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

16 दिसंबर, 2025 से 07 फरवरी, 2026 तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण ईआरओ द्वारा किया जाएगा। 10 फरवरी, 2026 को आयोग से अंतिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त करना है। प्रदेश में निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी, 2026 को किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक जनपद में लगभग 9 लाख से अधिक यानी 75 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। साथ ही अब तक अधिकाश मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

उन्होंने सभी ईआरओ, एईआरओ को निर्देशित किया है कि चूंकि एक सप्ताह की अवधि और मिल गई है, इसलिए उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों खास़कर बीएलओ को अनावश्यक मानसिक दबाव में आने की आवश्यकता नहीं है। पर्याप्त समय है जिसमें सारा कार्य पूर्ण हो सकता है। ऐसे बीएलओ जो किसी भी वजह से कार्य में पिछड़ गए हैं और जिनको सहयोग की आवश्यकता उनको यथा आवश्यक सहयोग दिलाया जाए।

उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व हर पोलिंग बूथ पर बीएलओ और राजनैतिक दलों द्वारा तैनात बूथ लेवल एजेंट की बैठक होगी। जिसमें बीएलओ द्वारा ऐसे मतदाताओं की सूची बीएलए को उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनका नाम ड्राफ़्ट मतदाता सूची में किन्हीं कारणों की वजह से नहीं आ रहा है।

बीएलओ व सपोर्टिंग स्टाफ का समर्पण लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रेरणादायी है-जिला निर्वाचन अधिकारी

महथुआ, उगापुर, उपरौठ आदि बूथों पर गणना प्रपत्र के संग्रहण व डिजिटाइज कार्यों का डीईओ ने लिया जायजा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा जनपद के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति आदि से संबंधित समीक्षा व जनपद के कम डिजिटाइज वाले बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर बीएलओ व स्पोटिंग स्टॉफ का हौसला आफजाई कर उनके कार्यों की सराहना किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के क्रम में बूथ प्राथमिक विद्यालय महथूआ विकासखंड औराई, उच्च प्राथमिक विद्यालय उगापुर औराई, प्राथमिक विद्यालय उपरौठ, में एसआईआर के अंतर्गत गणना प्रपत्रों का संग्रहण व डिजिटाइज कार्यों का जायजा लिया। एस आई आर कार्यों का निरीक्षण व जनमानस को जागरूक किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के मतदाताओं से अपील किया कि अंतिम तिथि का इंतजार न करें, तत्काल

मतगणना प्रपत्र को भरकर बीएलओ को दे दें, जिससे आपका नाम डाटा ईंट्री में शामिल हो जाए।

निरीक्षण व समीक्षा के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस आई आर) के कार्य में बीएलओ व सपोर्टिंग स्टाफ का हौसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रेरित किया। कहा कि आपका समर्पण लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रेरणादायी है।

डीईओ ने कहा कि संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण बीएलओ द्वारा किया जाए। गणना प्रपत्र भरवाने के बाद उसे अपने पास प्राप्त कर बीएलओ एप पर डिजिटाइज्ड करना सुनिश्चित करें।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अवगत कराया की जनपद में कुल 1256 बीएलओ है तथा जनपद के तीनों विधानसभाओं में कुल 1233324 मतदाता है। उन्होंने बताया कि अब तक शत प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं और अब तक बीएलओ एप पर लगभग 9 लाख गणना प्रपत्र डिजिटाइज्ड किया जा चुका हैं, इसकी नियमित समीक्षा जनपद स्तर पर की जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 50 सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित एस आई आर कार्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एसआईआर कार्य में तेजी लाएं, जिससे निश्चित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य संपन्न हो जाए।

नगरीय निकायों में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का वृहद संचालन

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगर पंचायत घोसिया में एसआईआर कार्यों का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में जनपद के सभी नगरीय निकायों में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य वृहद स्तर पर संचालित किया जा रहा है। निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में यह अभियान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

इसी क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिला अधिकारी कुवरं वीरेंद्र मौर्य नगर पंचायत घोसिया पहुंचे, जहां उन्होंने एस.आई.आर. से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं का स्थलीय निरीक्षण एवं मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाताओं के फॉर्म भरने की प्रक्रिया, डिजिटाइजेशन की स्थिति, मतदाता सूची अद्यतन की प्रगति सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्य में लगे सभी कार्मिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता सूची का सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बुनियाद है। उन्होंने कार्मिकों को प्रेरित करते हुए कहा कि– 'सशक्त और सहभागी लोकतंत्र के निर्माण में आप सभी की महती भूमिका है। आपका परिश्रम यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक पात्र मतदाता को लोकतांत्रिक अधिकारों का लाभ मिल सके।'

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रोत्साहित किया कि निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए तथा प्रत्येक पात्र नागरिक को उसका मताधिकार सुनिश्चित कराने हेतु विशेष सतर्कता बरती जाए। साथ में अधिशासी अधिकारी अनुपम सिंह, सभासदगण व जन मानस उपस्थित रहे।

4 मिनट 41 सेकेंड में पहुंच रही भदोही पुलिस

नवम्बर की रैंकिंग में जोन में प्रथम व प्रदेश में पाँचवा स्थान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता पहुंचाने की दिशा में भदोही पुलिस ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में यूपी 112 की जनपदीय टीम का रिस्पांस टाइम लगातार बेहतर होता जा रहा है।

माह नवंबर 2025 की रैंकिंग में भदोही की पीआरवी टीम ने जोन स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, प्रदेश स्तर पर भी भदोही यूपी 112 ने पांचवां स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

यूपी 112 पर आने वाली सूचनाओं पर भदोही की पीआरवी औसतन 4 मिनट 41 सेकेंड में घटनास्थल पर पहुंच रही है, जिससे पीड़ितों को तुरंत सुरक्षा और सहायता मिल रही है। यह त्वरित रिस्पांस जिले में सक्रिय, संवेदनशील और तत्पर पुलिसिंग का मजबूत संकेत है।

एसपी भदोही ने बताया कि रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने के लिए टीम को लगातार निर्देशित किया जा रहा है। आपातकालीन कॉल मिलने पर तत्काल रवाना होना, रूट प्लानिंग, वाहन तत्परता और निरंतर मॉनिटरिंग को प्राथमिकता दी जा रही है।

पुलिस की ओर से अपील की गई है कि किसी भी आपात स्थिति अपराध, दुर्घटना, चोरी, मारपीट या महिला सुरक्षा में बिना देर किए 112 पर कॉल करें। पुलिस आपकी सहायता के लिए तुरंत पहुंचेगी।'

भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग ने भक्तों को किया भाव-विभोर

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावां। क्षेत्र के भोरी गांव में जारी सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के छठे दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कथावाचक संतोष जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी और मधुर शैली से श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह का अनुपम प्रसंग सुनाया, जिसे सुन श्रद्धालु भक्ति-रस में पूरी तरह डूब गए।

महाराज जी ने रुक्मणी के श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम, संदेश, रुक्मणी हरण और भव्य विवाह का मनोहारी वर्णन किया। कथा के दौरान स्वयंवर का प्रसंग जैसे ही सुनाया गया, पूरा पंडाल 'राधे-कृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए।

कथावाचक संतोष जी महाराज ने कथा के बीच संदेश देते हुए कहा कि 'श्रीमद्भागवत कथा श्रवण मात्र से ही जन्म-जन्मों के पाप कट जाते हैं। यह कथा जीवन को शुद्ध, पवित्र और शांतिमय बनाने वाली दिव्य धारा है। जो भी व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति भाव से कथा सुनता है, उसके जीवन में भगवान स्वतः मार्ग प्रशस्त करते हैं।'

महाराज जी ने बताया कि भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि संस्कार, प्रेम, ज्ञान और जीवन मूल्यों का भंडार है, जिसे सुन मानव जीवन धन्य हो जाता है।

कथा के दौरान प्रस्तुत भजन, कीर्तन और संगीत ने वातावरण को पूर्णतः आध्यात्मिक बना दिया। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी कथा में तल्लीन होकर आनंदित होते रहे। आयोजकों ने बताया कि प्रतिदिन बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ इस कथा की लोकप्रियता और महाराज जी की वाणी का प्रमाण है।

सनातनी मौलानाओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटेगा और पाकिस्तान छोड़ आएगा

मदनी के 'जिहाद' वाले बयान पर भड़के भाजपा नेता संगीत सोम

मेरठ **(एजेंसी)**। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के 'जिहाद' संबंधी बयान पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक और तेजतर्रार नेता संगीत सोम ने कड़ा हमला बोला है। मेरठ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सोम ने मदनी के बयान को समाज को 'बीमार सोच' की ओर ले जाने वाला बताया और कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं, जिन पर सियासत गरमा गई है।

संगीत सोम ने आरोप लगाया कि मदनी जैसे लोग एक ओर संविधान की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर चार शादियों और अधिक बच्चों जैसे मुद्दों पर शरीयत का हवाला देते हैं। सोम ने कहा कि ऐसे मौलानाओं की वजह से समाज में गलत संदेश जाता है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान संगीत सोम ने कहा कि मदनी जैसे मौलानाओं को सनातनी सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटेंगे और मारते-मारते पाकिस्तान छोड़कर आएंगे। उन्होंने मदरसों को लेकर भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि देश में मदरसे बंद कर दिए जाने चाहिए। उन्होंने 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के साथ अब 'वोट जिहाद' का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एसआईआर के लागू होने से 'घुसपैठियों की वोट कटेगी'।

शनिवार को मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि 'जिहाद' शब्द को जानबूझकर गलत संदर्भ में पेश किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्लाम विरोधी तत्वों ने इस शब्द की व्याख्या को इतनी गलत दिशा में मोड़ दिया है कि यह हिंसा और झगड़े से जोड़ दिया गया है। मदनी के अनुसार 'लव जिहाद', 'लैंड जिहाद', 'एजुकेशन जिहाद' और 'थूक जिहाद' जैसे शब्द गढ़कर मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि 'जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने को ही जिहाद कहा जाता है, और जब तक अन्याय रहेगा, जिहाद की भावना मौजूद रहेगी।'

संगीत सोम की तीखी टिप्पणियों पर विपक्षी दलों में नाराजगी फैल गई है। विपक्ष ने उन्हें सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाला बयान बताया है, जबकि भाजपा समर्थक इसे संगीत सोम का निजी मत बता रहे हैं।?

2027 तक उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त प्रदेश बनाना लक्ष्य : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। संविधान दिवस पर पेरिस से आई एक विशेष तस्वीर ने पूरे देश, खासकर उत्तर प्रदेश को गर्व से भर दिया। यूनेस्को मुख्यालय में भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव राव अम्बेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 'योगी की पाती' के माध्यम से प्रदेशवासियों को संबोधित किया और बाबा साहेब को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए प्रदेश को वर्ष 2027 तक गरीबी मुक्त प्रदेश बनाने की बात कही है।

सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रदेश की जनता के नाम संबोधित 'योगी की पाती' पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व समुदाय जब बाबा साहेब के योगदान को सराहता है, तो यह क्षण प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का होता है। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की मूल भावना को जीवन में उतारने वाले युगांतरकारी महापुरुष थे। शोषित, वंचित और दबे-कुचले वर्गों को अधिकार दिलाने की उनकी कोशिशें आज भी सामाजिक परिवर्तन का आधार हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी ही प्रेरणा से उत्तर प्रदेश की सरकार ने दलितों, वंचितों और कमजोर तबकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई हैं। शिक्षा, छात्रवृत्ति, छात्रावास सुविधाएँ, प्रशिक्षण वेव माध्यम से आत्मनिर्भरता तथा आर्थिक सहायता-इन सभी क्षेत्रों में व्यापक सुधार किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी जरूरतमंद सामाजिक सुरक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब की सोच पर चलते हुए प्रदेश में 'जीरो पॉवर्टी अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसके तहत कमजोर वर्गों तक आवास, राशन, पेंशन, शिक्षा, श्रम योजनाएँ और बाल विकास कार्यक्रमों का लाभ तेज गति से पहुँचाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाना है।

प्रेमिका के घर का ईएमआई भरता था युवक

शादी दूसरे से हुई तय, आग बबूला प्रेमी ने घर में घुसकर कर दिया कांड

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद जिले में प्रेमिका की शादी कही और तय होने से नाराज युवक ने घर में घुसकर युवती को गोली मार दिया। फिलहाल एमएससी की छात्रा की हालत गंभीर है, जिसकी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आपको बता दें कि पूरा मामला जिले के मोदीनगर के नगलाबेर गांव का है। जहां पर एक युवक 5 साल के युवती के साथ प्रेम संबंध में था। लड़की अचानक प्रदीप से बात करना बंद कर देती है, बाद में युवक पता चला कि उसकी शादी कही और तय कर दी गई। जिसके बाद युवक नाराज गया। शनिवार शाम प्रदीप अचानक लड़की के घर पहुंचा. उसने दरवाजा तोड़कर अंदर घुसते ही देसी तमंचे से लड़की पर गोली चला दी। गोली उसके कान के पास सिर में फंस गई। परिवार वाले तुरंत उसे अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेरठ के बड़े अस्पताल रेफर कर दिया। अब डॉक्टर ऑपरेशन से गोली निकालने की तैयारी कर रहे हैं।

परिवार वालो का आरोप है कि प्रदीप अपनी प्रेमिका का पूरा खर्च उठाता था। यहां तक की उसके घर का ईएमआई भी वही भरता था। शादी तय होने की बात सुनकर वह गुस्से में आ गया और अपनी बेइज्जती मानकर बदला लेने की सोच बैठा। जिसके बाद उसने यह कदम उठाया है। घटना का अंजाम देने के बाद से प्रदीप फरार है। फिलहाल पुलिस उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर ली है और गिरफ्तार करने के तलाश कर रही है।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में कमियां मिलने पर डीएम ने जताई नाराजगी

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा गौशाला सेमनार, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भूसा, पशु आहार स्टाक रजिस्टर को देखा गया।

गौशाला में 57 गौवंश संरक्षित है। गौवंश हेतु हरा चारा की व्यवस्था न होने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। इसके साथ पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा लम्बे समय से गौशाला का निरीक्षण नही किया गया था जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने गौवंश का समय समय पर टीकाकरण कराये। गौवंश हेतु हरा चारा, भूसा पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराये।

अस्पताल में घोर लापरवाही : मोर्चरी में महिला के शव को कीड़ों ने खाया, आंख-कान कुतरे मिले

बॉडी पर चल रहे थे कॉकरोच; 3 कर्मचारियों पर गिरी गाज

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के झांसी मेडिकल कॉलेज के शवगृह में रखे गए 26 वर्षीय महिला के शव को कीड़ों द्वारा खाए जाने का मामला सामने आने के बाद अधिकारियों ने मामले में जांच कराने और शव के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में तीन कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि गुरुसराय इलाके के सर्वो गांव की रहने वाली क्रांति देवी ने 28 नवंबर को अपने मायके में रहने के दौरान अपने पति से झगड़े के बाद कथित तौर पर जहर खा लिया था।

मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके भाई सक्षम पटेल ने कहा कि उसने एक दिन पहले ही शव को शवगृह के 'डीप फ्रीजर' में रखने के लिए भुगतान किया था। उसने आरोप लगाया कि जब वह रविवार को शव लेने आया तो उसने पाया कि कीड़ों ने मृतका के आंख और कान को थोड़ा खा लिया था, जिसे देखकर उसने हंगामा किया। हंगामे के बाद मौके पर पहुंचे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. सचिन माहौर ने परिवार को जांच कराने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि शव की जांच में महिला की आंखों और कानों के पास काटने के निशान पाए गए। उन्होंने कहा कि एक शवगृह कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया गया है, अन्य को निलंबित कर दिया गया है और तीसरे आरोपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। डॉ माहौर ने कहा कि विस्तृत जांच जारी है और शवगृह में अधिक संवेदनशीलता तथा उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

नई बिहार विधानसभा का आगाज शपथ ग्रहण के साथ ही विधायकों ने रोजगार

पलायन रोकने और जनहित पर किया फोकस

पटना **(एजेंसी)**। बिहार की 18वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार शुरू हुआ, जिसमें विधायकों ने शपथ ली। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का विधानसभा पोर्टिको में औपचारिक स्वागत किया गया। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने शपथ ग्रहण सत्र की शुरुआत मंत्रियों और उसके बाद नवनिर्वाचित विधायकों से की।

सत्र से पहले, नवनिर्वाचित विधायकों ने बिहार की जनता और अपने निर्वाचन क्षेत्रों के कल्याण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जद(यू) के नवनिर्वाचित विधायक विनय कुमार चौधरी ने अपने भाषण में जन कल्याण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि हम जनता के लिए काम करते हैं और करते रहेंगे। इससे बिहार की जनता की सेवा पर पार्टी का ज़ोर झलकता है।

लोजपा-रामविलास के नवनिर्वाचित विधायक विष्णु देव पासवान ने बिहार के युवाओं के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा, 'मैं रोज़गार के अवसर पैदा करना चाहता हूँ ताकि बिहार के युवाओं को पलायन न करना पड़े। राजनीति के कारण बिहार को वह विकास नहीं मिला जिसका वह हक़दार था।' उन्होंने राज्य में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

मौजूदा विधानसभा में राजद से निर्वाचित विधायक भाई वीरेंद्र ने राज्य में एनडीए की जीत का विरोध किया। उन्होंने जनता की चिंताओं को आवाज़ देने के विपक्ष के संकल्प पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मनोबल ऊँचा है और जनता ने हमें वोट दिया है। उन्होंने (एनडीए) जनादेश से नहीं, बल्कि वोट चोरी से सरकार बनाई है। हमारी संख्या कम हो सकती है, लेकिन चिंताओं को उठाने की हमारी ताकत कम नहीं होगी।

बिहार विधानसभा के इतिहास में सबसे कम उम्र की विधायक बनीं भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि यह एक 'बड़ा दिन' और एक नए जीवन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए बहुत बड़ा दिन है, क्योंकि आज शपथ लेने के बाद मैं विधायक बन जाऊँगी। आज एक नए जीवन की शुरुआत है। पिछले महीने, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्री पद की शपथ लेने वाले नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) विधायकों को कैबिनेट विभाग आवंटित किए, और गृह विभाग सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सौंप दिया। उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी को गृह विभाग का प्रभार दिया गया है। 2005 में सत्ता में आने के बाद से कुमार पहली बार गृह विभाग नहीं संभालेंगे।

डीके शिवकुमार का आमंत्रण, सिद्धारमैया की हामी कर्नाटक में 'सीएम पद' की दौड़ पर नाश्ते की अहम कहानी

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक कांग्रेस नेतृत्व में चल रही सत्ता की खींचतान के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मंगलवार सुबह अपने आवास पर नाश्ते पर आमंत्रित किया है। शिवकुमार के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है। यह नाश्ते की बैठक शनिवार सुबह सिद्धारमैया के कावेरी स्थित आवास पर दोनों नेताओं के बीच हुई एक हाई-प्रोफाइल बैठक के कुछ ही दिनों बाद हो रही है। शिवकुमार ने शनिवार की बैठक को कर्नाटक की प्राथमिकताओं और आगे की राह पर एक सार्थक चर्चा बताया, लेकिन इसे कांग्रेस पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक सत्ता संघर्ष से उत्पन्न तनाव को शांत करने के प्रयास के रूप में भी देखा गया।

शिवकुमार के समर्थक कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के शेष ढाई वर्षों के लिए उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं, जिससे पार्टी के भीतर राजनीतिक विभाजन को बढ़ावा मिला है। 2023 के सत्ता-साझाकरण समझौते में निहित मुख्यमंत्री पद को लेकर आंतरिक असहमति ने दोनों नेताओं को बार-बार मिलने के लिए मजबूर किया है, ताकि एक पूर्ण संकट से बचा जा सके। शनिवार के नाश्ते के दौरान, शिवकुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज सुबह कावेरी निवास पर माननीय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से नाश्ते पर मुलाकात की। कर्नाटक की प्राथमिकताओं और आगे की राह पर एक उपयोगी चर्चा हुई।

इस बैठक में सिद्धारमैया के कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना भी शामिल थे, जिसका उद्देश्य गतिरोध को दूर करना था। शिवकुमार के जल्द ही कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली जाने की उम्मीद है। हालाँकि, सिद्धारमैया ने अपनी बात दोहराई कि उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। इडली-सांभर और उपमा के एक घंटे के नाश्ते के बाद, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ने कांग्रेस पार्टी के भीतर एकजुटता की पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने पार्टी आलाकमान के हर फैसले का पालन करने और किसी भी 'भ्रम' को दूर करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि हमने तय किया है कि आलाकमान जो भी कहेगा, हम उसका पालन करेंगे। कल से कोई भ्रम नहीं रहेगा। अभी भी कोई भ्रम नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्टरों ने भ्रम पैदा किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नाश्ते पर हुई बैठक के बारे में बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस महासचिव (संगठन) वेणुसी वेणुगोपाल द्वारा सिद्धारमैया से डीके शिवकुमार और एएस पोन्नन्ना को आमंत्रित करने के अनुरोध के बाद, दोनों ने बस नाश्ता किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, उन्होंने 2028 के चुनावों और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अपने एजेंडे पर चर्चा की।

जल जीवन घोटाला : न्यायालय में पूर्व सीएस की मानहानि याचिका पर नोटिस, 3 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा कथित 'जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले' के आरोपों को लेकर दायर मानहानि के मुकदमे में सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए। यह नोटिस सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अशोक कुमार परमार, जिनके आरोपों पर यह विवाद आधारित है, और मुकदमे में नामित अन्य पक्षों को भी जारी किया गया। पुरुषेंद्र कुमार कुरव ने उनसे जवाब मांगा है और मामले की सुनवाई 3 फरवरी के लिए निर्धारित की है, जब डॉ. मेहता के अंतरिम निषेधाज्ञा के अनुरोध पर बहस होगी।

मेहता ने अधिवक्ता वासुदेव शरण स्वैन और नर हरि सिंह (एओआर) के माध्यम से यह मुकदमा दायर किया है, जिसमें अंतरिम और स्थायी निषेधाज्ञा के साथ 2.55 करोड़ रुपये के हर्जाने का दावा किया गया है। मुकदमे में दावा किया गया है कि जेजेएम घोटाले के आरोप मनगढ़ंत, दुर्भावनापूर्ण और किसी भी सबूत से समर्थित नहीं हैं। दलीलों के अनुसार, एक बड़े पैमाने पर साजिश का आभास देने की लगातार कोशिश की गई, जबकि ऐसी कोई साजिश थी ही नहीं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी प्रतिष्ठा और जम्मू-कश्मीर में मिशन के काम की अखंडता को नुकसान पहुँचा।

यह मुकदमा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के निष्कर्षों पर काफी हद तक आधारित है, जिसने आरोपों की विस्तृत जाँच की थी। एसीबी ने निष्कर्ष निकाला कि कोई वित्तीय हेराफेरी नहीं हुई, निविदाएँ उचित ई-टेंडरिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से सबसे कम योग्य बोली लगाने वालों को दी गईं, कोई पक्षपात नहीं हुआ और सरकारी खजाने को कोई नुकसान नहीं हुआ। जाँच को औपचारिक रूप से 'अपुष्ट' कहकर बंद कर दिया गया। याचिकाओं में आगे बताया गया है कि हालाँकि सार्वजनिक रूप से यह दावा किया गया था कि सीबीआई और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन दोनों संस्थानों से प्राप्त आरटीआई उत्तरों ने पुष्टि की कि ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी।

मौत की झूठी कहानी! मोतिहारी में पति जेल में, पत्नी नोएडा में नए प्रेमी संग जिंदा मिली – मच गया हड़कंप

नोएडा **(एजेंसी)**। बिहार के मोतिहारी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिस महिला की हत्या के आरोप में उसका पति पिछले 4 महीने से जेल में बंद है, वह महिला नोएडा में जिंदा मिली है और वह वहां किसी दूसरे व्यक्ति के साथ रह रही थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब महिला जिंदा थी, तो फिर हत्या का केस कैसे बना और बिना शव के ही चार्जशीट कैसे दाखिल कर दी गई? मोतिहारी के वार्ड-10 के रहने वाले एक युवक की शादी 6 मार्च 2025 को हुई थी। शादी के करीब तीन महीने तक सब ठीक-ठाक चलता रहा। फिर 3 जुलाई की रात महिला बिना बताए घर से चली गई। परिवार वालों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। आखिरकार पति ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। महिला के मायके वालों ने पति पर आरोप लगाया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या करके शव ठिकाने लगा दिया है। इसी आधार पर पुलिस ने पति पर हत्या का केस दर्ज किया, उसे गिरफ्तार किया, जेल भेज दिया। यहां तक कि पुलिस ने बिना शव मिले ही कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी और केस का ट्रायल भी शुरू हो गया।

जेल में बंद युवक के परिवार को पूरा भरोसा था कि उनका बेटा निर्दोष है। इसलिए वे लगातार महिला की तलाश कर रहे थे।

सोमवार को परिवार को पता चला कि महिला नोएडा में जिंदा है और किसी दूसरे युवक के साथ रह रही है। उन्होंने तुरंत पुलिस को जानकारी दी। मोतिहारी पुलिस नोएडा पहुंची और महिला को उसके साथ रहने वाले युवक सहित गिरफ्तार कर लिया।

टीएमसी विधायक की बाबरी मस्जिद योजना पर भाजपा का तीखा हमला

दिलीप घोष बोले - यहां बाबर के नाम पर कुछ नहीं

कोलकाता **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दिलीप घोष ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक हुमायूँ कबीर की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लोग अपनी ज़मीन पर पूजा स्थल बनाने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन भारत में मुग़ल शासक बाबर के नाम पर कोई भी संरचना कभी नहीं बनाई जाएगी। कबीर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए घोष ने कहा कि कोई भी अपनी ज़मीन पर मंदिर या मस्जिद बना सकता है, लेकिन भारत में बाबर के नाम पर कोई मस्जिद नहीं बनाई जाएगी। हिंदू समुदाय ने 450 वर्षों तक उसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, उसकी संरचनाओं को नष्ट किया और बाद में राम मंदिर का निर्माण किया। बाबर एक आक्रमणकारी था; उसके नाम पर यहाँ कुछ भी नहीं बनाया जाएगा।

घोष की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बयानबाज़ी के बीच आई है, जब कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद ज़िले के बेलडांगा में एक बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखने की अपनी योजना दोहराई। कबीर ने अपना रुख बरकरार रखते हुए कहा कि हम 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद ज़िले के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने पहले यह घोषणा करके विवाद खड़ा कर दिया था कि इस परियोजना में तीन साल लगेंगे और इसमें विभिन्न मुस्लिम नेता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि हम 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद ज़िले के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। इसे पूरा होने में तीन साल लगेंगे। इस कार्यक्रम में विभिन्न मुस्लिम नेता भाग लेंगे।

पश्चिम बंगाल के मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी द्वारा अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कड़ा विरोध करने पर तनाव और बढ़ गया। बाबरी मस्जिद के विध्वंस और उसके बाद के घटनाक्रम को अन्यायपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि मस्जिद को जबरन गिराया गया और एक मंदिर बनाया गया। हम इससे सहमत नहीं हैं। हम 23 साल पहले बाबरी मस्जिद का मामला हार गए थे और वहाँ एक मंदिर बनाया गया। यह एक राजनीतिक मुद्दा है, धार्मिक नहीं। चौधरी ने भाजपा सदस्यों के बयानों की भी आलोचना की और उन्हें पक्षपातपूर्ण बताया।

रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज़ गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

'सेब और संतरे की तुलना', अफरीदी की तुलना रोहित से करने पर पूर्व क्रिकेटर ने दिया ऐसा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रांची में खेले गए पहले वनडे में रोहित शर्मा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि क्यों उन्हें आधुनिक क्रिकेट का सबसे विनाशकारी ओपनर माना जाता है। बेहतरीन टाइमिंग और क्लासिक स्ट्रोक्स की बदौलत हिटमैन ने 51 गेंदों में 57 रन ठोकते हुए भारत को मजबूत शुरुआत दी। इसी दौरान उन्होंने वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। शाहिद अफरीदी को पछाड़ते ही तुलना शुरू हुई, जिस पर पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने रोहित की उपलब्धि को 'सेब और संतरे की तुलना' जैसा बताते हुए बड़ा बयान दिया।

पहले वनडे के दौरान रोहित शर्मा जब बल्लेबाजी करने उतरे, तो शुरुआत से ही उनके शॉट्स में वही पुरानी चमक दिखाई दी। उन्होंने 5 चौके और 3 शानदार छक्कों की मदद से 57 रन बनाते हुए टीम को मजबूत ओपनिंग दी। उनके ये तीन छक्के इतिहास में तब दर्ज हो गए जब वे वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित अब 352 छक्कों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, वहीं शाहिद अफरीदी 351 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए।

इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि रोहित ने यह मुकाम सिर्फ 269 पारियों में हासिल कर लिया, जबकि अफरीदी ने 351 छक्के जड़ने के लिए 369 पारियां खेली थीं। यानी रोहित ने यह रिकॉर्ड 100 पारियां कम खेलकर तोड़ा। यह अंतर यह दर्शाता है कि रोहित ओपनर होते हुए भी लगातार टीम को आक्रामक शुरुआत देते रहे और अपने शॉट-मेकिन्ग से विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा।

शाहिद अफरीदी और रोहित शर्मा की तुलना पर जब सवाल उठे, तो पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अतुल वासन ने स्पष्ट कहा कि दोनों की भूमिकाएं एक जैसी नहीं थीं, इसलिए उनकी तुलना उचित नहीं है। अतुल वासन ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ओपनर हैं, जबकि अफरीदी का रोल बाद में आकर तेजी से रन बनाने का था। एक ओपनर का इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। इसलिए इसे सेब और संतरे की तुलना जैसा कहना गलत नहीं होगा।' उन्होंने आगे कहा कि रोहित ने कम इनिंग्स में यह रिकॉर्ड बनाकर भारत के लिए अपने प्रभाव को साबित किया है। अतुल वासन ने यह भी कहा कि रोहित की असली सफलता उनकी क्षमता है, शुरुआत में बड़े शॉट खेलने की हिम्मत और उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखना। उनके अनुसार, 'जब आपका ओपनर इतने ज्यादा बड़े शॉट खेलता है, तो टीम की जीत की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के होम ग्राउंड पर लगा ताला, सुरक्षा क्लीयरेंस के बिना नहीं होगा कोई मैच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 मैचों का आयोजन अब संदेह के घेरे में है। राज्य सरकार ने स्टेडियम की संरचनात्मक सुरक्षा की विस्तृत जांच अनिवार्य कर दी है। यह फैसला इसी साल जून में हुए दर्दनाक भगदड़ हादसे के बाद लिया गया है।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को नोटिस जारी कर कहा है कि स्टेडियम की विस्तृत और प्रमाणित सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। यह रिपोर्ट एनएबीएल-प्रमाणित विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जानी चाहिए, ताकि तकनीकी मानकों का सही आकलन किया जा सके। 17 एकड़ पीडब्ल्यूडी-लीज़ भूमि पर बने इस स्टेडियम को दर्शक दीर्घाओं सहित पूरे ढांचे की मजबूती साबित करनी होगी। सरकार ने साफ किया है कि स्वतंत्र जांच के बाद ही आईपीएल मैचों की मंजूरी दी जाएगी।

जून में हुए भीषण हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोग घायल हो गए थे। यह दुर्घटना आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान हुई थी।

इसके बाद जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुवाई वाली स्वतंत्र समिति ने स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए 'असुरक्षित' घोषित किया था। समिति ने चेतावनी दी थी कि यहां बड़े कार्यक्रम कराना भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिहाज़ से 'अस्वीकार्य जोखिम' पैदा करता है।

रिपोर्ट आने के बाद बीसीसीआई ने बेंगलुरु से महिला वनडे विश्व कप और पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी भी वापस ले ली। यह मैच अब नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को दिए गए हैं।

आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी का घरेलू मैदान रहा चिन्नास्वामी, दर्शकों के लिए भारत के सबसे रोमांचक और शोरगुल वाले स्टेडियमों में माना जाता है। लेकिन सुरक्षा प्रमाणन मिलने तक यहां बड़े मैचों की वापसी फिलहाल मुश्किल दिख रही है।

पीएसयू बैंकिंग सेक्टर में सबसे बड़ा बदलाव, सरकार बनाएगी 4 सुपर-बैंक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार ने पीएसयू बैंकों के बड़े विलय का प्लान तैयार किया है, जिसके तहत अगले वित्त वर्ष तक सरकारी बैंकों की संख्या 12 से घटाकर सिर्फ 4 रह जाएगी। इससे पहले सरकारी बैंकों की संख्या 27 से घटकर 12 रह गई थी। इस योजना में छोटे बैंकों का विलय बड़े सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बीओबी और केनरा-यूनियन बैंक के विलय से बनने वाले बैंक में किया जाएगा।

छोटे बैंकों का विलय फाइनेंस मिनिस्ट्री में चल रहे प्लान के तहत होगा। इससे बैंकों की बैलेंसशीट मजबूत होगी, ऑपरेशनल एफिशियंसी बढ़ेगी और बड़े बैंक तैयार होंगे जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। बड़े सरकारी बैंक क्रेडिट की बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे, अधिक लोन उपलब्ध कराएंगे और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को सहारा देंगे। इससे प्राइवेट बैंकों से मुकाबला भी आसान होगा। 2017-2020 में भी छोटे सरकारी बैंकों का विलय बड़े बैंकों में हुआ था, जिससे संख्या 27 से घटकर 12 रह गई थी। अब पांच साल बाद यह प्रक्रिया फिर से तेज होने जा रही है।

भारतीय टीम में आने के बाद 7 क्रिकेटर बने शाकाहारी, छोड़ दी नॉनवेज की आदतें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने टीम में जगह बनाने के बाद अपनी डाइट में बड़ा बदलाव किया और पूरी तरह शाकाहारी बन गए। इस लिस्ट में शामिल हैं रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, ईशांत शर्मा, शिखर धवन, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और विराट कोहली।

पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बचपन से ही शाकाहारी थे, लेकिन टीम इंडिया में आने के बाद पोषण संबंधी कारणों से उन्होंने नॉनवेज खाना शुरू किया। हालांकि, उनका मन इसे पसंद नहीं आया और अब वे फिर से पूरी तरह शाकाहारी डाइट पर लौट आए हैं।

युजवेंद्र चहल को मांस, कबाब और बटर चिकन पसंद था, लेकिन धीरे-धीरे उनका रुझान शाकाहारी भोजन की ओर बढ़ा। फिटनेस को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 2020 में पूरी तरह शाकाहारी बनने का फैसला किया।

तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को कभी मांस खाना पसंद था, लेकिन एक बार बाजार में मुर्गियों के साथ हो रहे क्रूर व्यवहार को देखकर उन्होंने शाकाहारी बनने का निर्णय लिया। पूर्व ओपनर शिखर धवन ने 2018 में मांस छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें इससे नकारात्मक ऊर्जा महसूस होती थी। रोहित शर्मा ने टीम में आने के बाद अपने फिटनेस को लेकर आलोचना का सामना किया और अब पूरी तरह शाकाहारी हैं, केवल अंडा खाते हैं। हार्दिक पंड्या ने भी फिटनेस के कारण मांस खाना छोड़ दिया और शाकाहारी डाइट अपनाई।

विराट कोहली को बचपन में बिरयानी और अन्य मांसाहारी व्यंजन बहुत पसंद थे। 2018 में उन्होंने मांस खाना बंद कर दिया। स्वास्थ्य और पाचन समस्याओं के कारण उन्होंने दूध, दही और घी जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन भी रोक दिया और पूरी तरह शाकाहारी जीवनशैली अपनाई।

इस बदलाव से न केवल उनकी फिटनेस और प्रदर्शन में सुधार हुआ, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी शाकाहारी खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या का उदाहरण सामने आया।

औद्योगिक उत्पादन अक्टूबर में 0.4 प्रतिशत बढ़ा, 13 महीने का निचला स्तर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अक्टूबर महीने में विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4 प्रतिशत पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7 प्रतिशत बढ़ा था।

आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इसके साथ ही एनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को चार प्रतिशत से बढ़ाकर 4.6 प्रतिशत कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर महीने में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4 प्रतिशत रही थी।

आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 0.9 प्रतिशत बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह चार प्रतिशत थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूँ कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूँगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, 'उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूँ। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है।' हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह खास़ है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफ़ी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

नवंबर में यूपीआई ने फिर रचा इतिहास, 20.47 अरब ट्रांजैक्शन, 32 प्रतिशत का वार्षिक उछाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय डिजिटल पेमेंट सिस्टम एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ दिखा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने नवंबर के यूपीआई डेटा जारी किए हैं, जिनमें ट्रांजैक्शन संख्या और वैल्यू दोनों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

नवंबर में यूपीआई पर कुल 20.47 अरब ट्रांजैक्शन किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है। ट्रांजैक्शन वैल्यू की बात करें तो नवंबर में यूपीआई के जरिए 26.32 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ, जो साल-दर-साल आधार पर 22 प्रतिशत ज्यादा है। दैनिक औसत ट्रांजैक्शन काउंट 682 मिलियन और औसत लेनदेन राशि 87, 700 करोड़ रुपए रही।

अक्टूबर में यूपीआई के 20.70 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज हुए थे, जिनकी कुल वैल्यू 27.28 लाख करोड़ रुपए रही थी। नवंबर में ट्रांजैक्शन संख्या थोड़ी कम रही लेकिन सालाना ग्रोथ मजबूत बनी रही।

एनपीसीआई ने आईएमपी के आंकड़े भी जारी किए, जिसके मुताबिक नवंबर में 369 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए और कुल लेनदेन राशि 6.15 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। यह पिछले साल के मुकाबले 10इ की वृद्धि दिखाता है।

2016 में लॉन्च होने के बाद से यूपीआई देश में डिजिटल पेमेंट का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन गया है। एक ही ऐप से कई बैंक अकाउंट चलाने और केवल एक टैप में पैसे भेजने की सुविधा ने इसे आम लोगों की पहली पसंद बना दिया है। ळइ्र ने भारत को कैश-ड्रिवन मॉडल से डिजिटल-फर्स्ट इकोनॉमी की ओर तेजी से आगे बढ़ाया है।

सामंथा रूथ प्रभु और राज निदिमोरू की सादगी भरी शादी तस्वीरों में दिखा नवविवाहित जोड़े का खूबसूरत अंदाज

अफवाहें सच हुईं! अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरू ने सोमवार को शादी के बंधन में बंधकर अपनी जिंदगी के नए सफर की शुरुआत कर दी है। इस हाई-प्रोफाइल जोड़े ने कोयंबटूर के ईशा फाउंडेशन में एक बेहद प्राइवेट और सादे समारोह में शादी की।

अभिनेत्री ने तुरंत ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके बाद बधाई और शुभकामना संदेशों की बाढ़ आ गई।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई पहली तस्वीर में, राज, लिंगा भैरवी के सामने खड़े होकर, सामंथा की उंगली में अंगूठी पहनाते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में, कपल शादी की पारंपरिक रस्में पूरी करते हुए दिखाई दे रहा है। तीसरी तस्वीर में, वे प्यार से एक-दूसरे का हाथ थामे हुए हैं। चौथी फोटो में, सामंथा और राज किसी पूजा विधि को संपन्न करते हुए दिख रहे हैं।

आखिरी फोटो में, वे अत्यधिक खुशी और उत्साह के साथ अपनी जिंदगी का नया सफर शुरू करने के लिए कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इस खास दिन के लिए दोनों का लुक सादगीपूर्ण लेकिन बेहद आकर्षक था। राज निदिमोरू ने शादी के लिए बेज नेहरू जैकेट के साथ एक सफेद कुर्ता चुना था। सामंथा रूथ प्रभु लाल और सुनहरी साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, और उनके बालों में सजे ताजे फूल उनकी सुंदरता को और बढ़ा रहे थे। नवविवाहित जोड़े को सेलिब्रिटी और फैंस से बधाई संदेशों की भरमार मिली। अनुपमा परमेश्वरन, निमरत कौर, डिंपल हयाती और कई अन्य हस्तियों ने तस्वीरों पर कमेंट करते हुए उनके लिए प्यार और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

सामंथा और राज ने काफी समय तक अपने रिश्ते को छिपाकर रखा था। वे धीरे-धीरे साथ में लोगों के सामने आने लगे, लेकिन उन्होंने कभी खुलकर कुछ नहीं बताया।

खबरों के अनुसार, सामंथा और राज 2024 की शुरुआत से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। उनके रिश्ते को लेकर हमेशा चर्चा इसलिए रही क्योंकि राज ने कभी भी अपनी पहली पत्नी श्यामली डे से तलाक की खुलेआम घोषणा नहीं की थी। उनकी पहली पत्नी ने भी आज एक रहस्यमय पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें लिखा है 'हताश लोग हताश काम करते हैं'।

श्रेयस अय्यर संग डेटिंग की अफवाहों पर मृणाल ठाकुर का बिंदास रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। कुछ हफ़्ते पहले, उनके और एक्टर धनुष के डेटिंग की खबरें थीं, और सोशल मीडिया पर उनके कमेंट्स से इन अफवाहों को बल मिला था।

हालांकि, हाल ही में एक ऑनलाइन चैट प्लेटफॉर्म रेडिट पर यह दावा किया गया कि मृणाल पिछले कुछ महीनों से क्रिकेटर श्रेयस अय्यर को डेट कर रही हैं। यह भी कहा गया कि दोनों अपने रिश्ते को छुपाकर रख रहे हैं। यह खबर सामने आने के ठीक एक दिन बाद, मृणाल ठाकुर ने बताया है कि वह इन अफवाहों से कैसे निपटती हैं।

रविवार को, मृणाल ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उनकी मां उन्हें सिर की मालिश दे रही हैं और उन्हें रिकॉर्ड भी कर रही हैं। दोनों मां-बेटी कैमरे को देखकर हंसते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो के साथ, मृणाल ने लिखा, 'वे बातें करते हैं, हम हँसते हैं। इ.ए. अफवाहें फ्री इें होती हैं और मुझे फ्री चीजें पसंद हैं!'

हालांकि मृणाल ने यह नहीं बताया कि वह किस खास अफवाह की बात कर रही थीं, लेकिन यह वीडियो उनकी हालिया डेटिंग की अटकलों पर एक मजेदार जवाब जैसा लग रहा था।

रेडिट पोस्ट में दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर और मृणाल ठाकुर चुपचाप एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और यह अभी रिश्ते की शुरुआत है। इसमें आगे कहा गया कि दोनों इसे सीक्रेट रख रहे हैं क्योंकि क्रिकेट फैंस बहुत जुनूनी हो सकते हैं, और मृणाल 'अभी अपने करियर के टॉप पर' हैं।

इससे पहले, मृणाल के धनुष को डेट करने की अफवाहें थीं। उनकी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर दोनों को साथ देखे जाने के बाद यह खबरें तेजी से फैली थीं।

'आरोप-प्रत्यारोप' के बीच महाराष्ट्र निकाय चुनाव स्थगित, क्या शिंदे-फडणवीस की छिड़ी वर्चस्व की लड़ाई

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर पार्टियों के बीच खींचतान के बीच, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ तनाव को स्वीकार किया, हालांकि दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव स्थानीय मुद्दों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर केंद्रित रहना चाहिए। शिंदे ने हाल ही में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ आरोप-प्रत्यारोप की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव जमीनी मुद्दों और पार्टी कार्यकर्ताओं के काम पर केंद्रित रहना चाहिए। छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि हाँ, यह सच है कि मैंने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाए हैं और उन्होंने भी मुझ पर आरोप लगाए हैं। लेकिन आपको यह समझना होगा कि ये चुनाव स्थानीय चुनाव हैं, जो स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा लड़े जाते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में बड़े राजनीतिक मुद्दों को उठाने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन पार्टी कार्यकर्ता अपने वरिष्ठ नेतृत्व को इन चुनाव अभियानों में शामिल होते देखना पसंद करते हैं।

इस बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित होते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उन्होंने विरोधियों या सहयोगियों के खिलाफ टिप्पणी करने से परहेज किया है और केवल अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया है। ये स्थानीय निकाय चुनाव हैं जिनमें हमारी पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव लड़ते हैं और हम राज्य के उन सभी हिस्सों में पहुँचने की कोशिश करते हैं जहाँ चुनाव हो रहे हैं ताकि चुनाव के दौरान अपने कार्यकर्ताओं का प्रचार और समर्थन कर सकें। यही कार्यकर्ता हमारे प्रचार में कड़ी मेहनत करते हैं, इसलिए यह हमारी भी ज़िम्मेदारी है कि हम उनके चुनावों में उनके लिए प्रचार करें और यह सभी करते हैं।

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा ये ऐसे चुनाव थे जिन पर मैंने कोई टिप्पणी नहीं की थी। यहाँ तक कि अपने विरोधियों पर भी नहीं। सहयोगियों पर टिप्पणी करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है, लेकिन मैंने किसी के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। मैं केवल अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करता हूँ। आज, महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने पुणे जिले में कई नगर परिषदों में चुनाव स्थगित कर दिए हैं, क्योंकि जिला न्यायालय द्वारा प्रमुख अपीलों पर आदेश आयोग की निर्धारित समय सीमा के बाद दिए गए थे।

मेटा और व्हाट्सएप की मनमानी पर लगाम?

पूर्व एससीबीए अध्यक्ष की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का सख्त रुख, केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को भारत संघ, मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सएप एलएलसी सहित सभी प्रतिवादियों से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. आदिश सी. अग्रवाल द्वारा दायर एक याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उनके व्हाट्सएप खातों को अचानक निलंबित करने को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने मामले की सुनवाई की और प्रतिवादियों को अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया, मामले की अगली सुनवाई 18 दिसंबर को निर्धारित की। अग्रवाल ने संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के तहत उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि बिना किसी पूर्व सूचना, कारण बताओ नोटिस या उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक डेटा को पुनः प्राप्त करने का कोई अवसर दिए बिना उनके व्हाट्सएप नंबरों को अचानक और एकतरफा निष्क्रिय करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

याचिका के अनुसार, निलंबित खातों में वर्षों पुरानी संवेदनशील सामग्री थी, जिसमें कानूनी मसौदे, ब्रीफिंग नोट्स, मुवक्किलों से संवाद, बार काउंसिल चुनाव संबंधी दस्तावेज और उनके पेशेवर कर्तव्यों के लिए आवश्यक गोपनीय केस-संबंधी रिकॉर्ड शामिल थे। याचिका में कहा गया है कि निलंबन उस समय हुआ जब अग्रवाल बैंकॉक, लंदन, दुबई और अन्य न्यायालयों

में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग ले रहे थे, जिससे उनके पेशेवर कार्य बुरी तरह प्रभावित हुए और बार काउंसिल चुनाव संबंधी गतिविधियों में निष्पक्ष रूप से भाग लेने की उनकी क्षमता प्रभावित हुई।

उनका दावा है कि व्हाट्सएप की कार्रवाइयाँ संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ए), 19(1)(जी) और 21 का उल्लंघन करती हैं, विशेष रूप से समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पेशेवर व्यवहार और सम्मानपूर्वक जीवन जीने के उनके अधिकारों का। के.एस पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले का हवाला देते हुए, याचिका में तर्क दिया गया है कि व्यक्तिगत डिजिटल संचार तक पहुँच स्वायत्तता, गरिमा और सूचनात्मक गोपनीयता का एक अभिन्न अंग है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर जीपीएस स्पूफिंग! नागर विमानन मंत्री ने स्वीकार की घटना, जांच तेज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने सोमवार को पुष्टि की कि नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) के पास आने वाली कई उड़ानों में हाल ही में जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं सामने आई हैं। यह खुलासा आज से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में राज्यसभा सदस्य एस निरंजन रेड्डी द्वारा पूछे गए एक तारांकित प्रश्न के उत्तर में हुआ। रेड्डी ने राज्यसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री से पूछा कि 'क्या सरकार को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए), नई दिल्ली पर हाल ही में हुई जीपीएस स्पूफिंग की घटनाओं की जानकारी है और क्या नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की जाँच और उन्हें कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने जवाब में कहा कि ये घटनाएँ उस समय हुईं जब विमान आईजीआई हवाई अड्डे के रनवे 10 पर जीपीएस-आधारित लैंडिंग प्रक्रियाओं का उपयोग कर रहे थे। प्रभावित उड़ानों को स्पूफ किए गए नेविगेशन सिग्नल मिलने के बाद आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि पारंपरिक ग्राउंड-आधारित नेविगेशनल एड्स की उपलब्धता के कारण रनवे के

अन्य छोर पर परिचालन अप्रभावित रहा। डीजीसीए ने जीपीएस स्पूफिंग जोखिमों की जाँच और उन्हें कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रमुख कार्रवाइयों में शामिल हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने हस्तक्षेप के स्रोत की पहचान के लिए वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) से सहायता मांगी है। एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद, डब्ल्यूएमओ को डीजीसीए और एएआई द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारंभिक स्थान डेटा का उपयोग करके स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने का निर्देश दिया गया। नायडू ने कहा कि नवंबर 2023 से जीपीएस जैमिंग/स्पूफिंग की घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए डीजीसीए द्वारा अनिवार्य किए जाने के बाद, देश के अन्य प्रमुख हवाई अड्डों से नियमित रिपोर्ट प्राप्त हो रही हैं।

नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं : अमित शाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती है।

नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गृह मंत्री शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।

'मुसलमानों को भड़काने की साज़िश' शाहनवाज़ का महमूद मदनी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा नेता शाहनवाज़ हुसैन ने सोमवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी की भोपाल में की गई हालिया टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारतीय मुसलमानों को बेजोड़ अधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त है। साथ ही, उन्होंने समुदाय को भड़काने की कोशिशों के खिलाफ़ चेतावनी भी दी। 'जुल्म के खिलाफ़ जिहाद' संबंधी मदनी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, हुसैन ने बयान की निंदा की और इसे भ्रामक और खतरनाक बताया।

हुसैन ने कहा कि मैं जमीयत उलेमा-ए-हिंद के नेता मौलाना महमूद मदनी द्वारा भोपाल में इस्तेमाल की गई भाषा की निंदा करता हूँ। उन्होंने कहा, 'जब भी जुल्म होगा, जिहाद होगा। यह कहकर कि जब भी जुल्म होगा, जिहाद होगा, वह क्या समझा रहे हैं? भारत में जुल्म कहाँ हो रहा है? मदनी पर मुसलमानों में अविश्वास और अशांति पैदा करने का आरोप लगाते हुए, हुसैन ने कहा कि मुसलमानों को भड़काने की साज़िश मत करो। वे मुसलमानों को भड़का रहे हैं और उन्हें टकराव के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। वह मुसलमानों में अविश्वास पैदा कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने ज़ोर देकर कहा कि भारत में मुसलमानों को दुनिया भर में बेजोड़ सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को भारत से बेहतर देश, हिंदू से बेहतर दोस्त, भारत से बेहतर संविधान या मोदी से बेहतर नेता नहीं मिल सकता। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय

मुसलमान खुद मदनी के जिहाद के आह्वान को खारिज करते हैं। हुसैन ने मदनी की टिप्पणी की भी आलोचना की और सुप्रीम कोर्ट को 'सर्वोच्च' न बताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया।

उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे भारतीय मुसलमानों के ठेकेदार न बनने और यह न कहने का आग्रह किया कि सुप्रीम कोर्ट सर्वोच्च नहीं है। यह बयान भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूँ। मदनी ने शनिवार को भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की राष्ट्रीय शासी निकाय को संबोधित करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक अधिकारों, बुलडोजर कार्रवाई, भीड़ द्वारा हत्या और वक्फ संपत्तियों की जब्ती पर चिंता जताई थी। उन्होंने दावा किया कि बाबरी मस्जिद और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर आए फैसले इस बात का संकेत हैं कि अदालतें सरकार के दबाव में हैं।

इमरान की बहनों को शर्म से मर जाना चाहिए, जब पाकिस्तान के मंत्री खो बैठे आपा, दिया विवादित बयान

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत को लेकर उठ रहे सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रही है। इसी बीच, शहबाज सरकार में सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने रविवार को एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जो एक मंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति के लिए बिल्कुल अनुचित मानी जा रही है। उन्होंने इमरान खान की बहनों पर निशाना साधते हुए कहा कि 'उन्हें शर्म से मर जाना चाहिए।'

अपने ऊपर उठ रहे सवालों को टालने के लिए पाकिस्तानी मंत्री ने सीधे भारतीय और अफगानी मीडिया पर ठीकरा फोड़ दिया। तरार ने कहा कि इमरान खान की बहनें पाकिस्तान में बात करने की बजाय भारत और अफगानिस्तान के चैनलों पर जाकर बयान दे रही हैं, जो कि 'पाकिस्तान की छवि खराब' करता है।

पाकिस्तान के अखबार डॉन के अनुसार, तरार ने इमरान खान की तीनों बहनों को निशाने पर लेते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी पीटीआई सरकार की नीतियों का सामना नहीं कर पा रही है, इसलिए 'अनर्गल तरीके' अपना रही है।

विदेशी मीडिया पर दिए गए इमरान की बहनों के बयानों को लेकर तरार ने आरोप लगायाः 'ये बहनें भारतीय और अफगान चैनलों पर जाकर अपने भाई के लिए रो रही हैं, लेकिन पाकिस्तान के शहीदों के बारे में बात नहीं करतीं। एक कैदी के लिए रो रही हैं, जो भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल है।'

उन्होंने कहा कि दूसरे देश के चैनलों पर जाकर बात करना 'गैरजिम्मेदाराना' है और उसे राष्ट्रीय स्वाभिमान के खिलाफ बताया।

तरार ने आगे कहाः 'जो लोग दूसरे देशों के चैनलों पर जाकर पाकिस्तान को बदनाम करते हैं, उन्हें शर्म से मर जाना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय और अफगानी मीडिया ने इमरान की बहनों को प्लेटफॉर्म इसलिए दिया क्योंकि 'इस परिवार की सोच पाकिस्तान के खिलाफ है।'

इमरान की बहनों द्वारा

स्वास्थ्य को लेकर उठाई गई चिंताओं पर तरार ने कहा कि परिवार अनावश्यक 'हाइप' बना रहा है। उन्होंने कहाः'मैं आपको भरोसा दिलाता हूं, इमरान बिल्कुल ठीक हैं। वह रोजाना एक घंटे ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। उनकी सेहत में कोई परेशानी नहीं है।'

कुछ दिन पहले इमरान खान की बहनों अलीमा खान, डॉ. उज़मा खान और नोरीन ने अदियाला जेल के बाहर अपने भाई से मिलने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना दिया था। पीटीआई के अनुसार, जब उन्हें इमरान से मिलने नहीं दिया गया, तो वे वहीं बैठ गईं। तभी पुलिस ने उनके साथ बदसलूकी की और उन्हें बलपूर्वक हिरासत में ले लिया। इन घटनाओं के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान सरकार और पुलिस के रवैये पर सवाल उठने लगे।

बम विस्फोटों से फिर दहला पाकिस्तान, फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर पर हुआ आत्मघाती हमला

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) के अनुसार, सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बलूचिस्तान के चगाई जिले में पाकिस्तानी सेना के एक शिविर पर एक महत्वपूर्ण हमला हुआ, जब एक आत्मघाती हमलावर ने नोकुंडी में फ्रंटियर कोर मुख्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर विस्फोटकों में विस्फोट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती विस्फोट के बाद भी शिविर के भीतर गोलीबारी जारी थी। उन्होंने हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जिसके बाद कई सशस्त्र हमलावर शिविर में घुस गए। एक घंटे से ज़्यादा समय तक लगातार गोलीबारी और कई विस्फोटों की आवाज़ें सुनी गईं, और खबर लिखे जाने तक झड़पें जारी रहीं।

शुरुआत में किसी भी समूह ने ज़िम्मेदारी नहीं ली थी। हालाँकि, बाद में रविवार को, बलूचिस्तान

लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने घोषणा की कि संगठन की एक उप-इकाई ने नोकुंडी में रेको दिक और सैंदक खनन परियोजनाओं पर काम कर रहे विदेशी कर्मियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले केंद्रीय परिसर पर 'भारी हमला' किया है, जैसा कि टीबीपी ने बताया है। समूह ने दावा किया कि अभियान जारी है और वादा किया कि इसके समापन के बाद एक विस्तृत बयान दिया जाएगा। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बीएलएफ के दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह नवीनतम हमला पिछले 24 घंटों में बलूचिस्तान में सशस्त्र कार्रवाइयों में व्यापक वृद्धि का एक हिस्सा है, जिसके दौरान आतंकवादी समूहों ने कई इलाकों में आईईडी विस्फोटों, घात लगाकर हमलों और चौकियों पर हमलों के ज़रिए पाकिस्तानी बलों को निशाना बनाया है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि हमलों की हालिया श्रृंखला दर्शाती है कि बलूच सशस्त्र समूह अभी भी जहाँ और जब चाहें हमला करने की क्षमता रखते हैं, जबकि सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हमलों को रोकने के लिए हाल के दिनों में इंटरनेट सेवाएँ, परिवहन मार्ग और कई शहरी केंद्र बंद कर दिए गए हैं, फिर भी सशस्त्र समूह अभी भी कई क्षेत्रों में अभियान चलाने में सक्षम हैं।

तीसरा विश्वयुद्ध कभी भी! जापान ने ताइवान के पास तैनात की मिसाइलें

चीन बोला-'दर्दनाक कीमत चुकाओगे'

टोक्यो **(एजेंसी)**। ताइवान को लेकर चीन और जापान के बीच तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि चीन साफ कह रहा है 'हम युद्ध के लिए तैयार हैं।' जापान ने ताइवान के बेहद नजदीक मिसाइलें तैनात करने की घोषणा की है, जिसके बाद बीजिंग ने तीखी धमकी देते हुए कहा-'हद पार की तो दर्दनाक कीमत चुकानी होगी।' तनाव तब भड़का जब जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि अगर चीन ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश करता है, तो जापान सैन्य कार्रवाई करेगा।

बीजिंग ने जापानी राजदूत को तलब किया और अपने नागरिकों को जापान न जाने की सलाह जारी कर दी। इसके बाद जापान ने ताइवान से केवल 107 किमी दूर योनागुनी द्वीप पर मिसाइलें तैनात करने की योजना आगे बढ़ा दी। चीन ने इसे 'जानबूझकर युद्ध भड़काने की कोशिश' बताया। एक्सपर्ट्स की चेतावनीः 3 घटनाएं, और शुरू हो जाएगा युद्ध द सन की रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञ अशोक स्वैन ने कहा कि हालात बेहद विस्फोटक हैं। एक छोटी सी गलती भी जंग छेड़ सकती है।

अगर किसी पायलट ने गलत कदम उठाया- तुरंत टकराव। समुद्र में जहाजों का टकराव, चीन और जापान के युद्धपोत आमने-सामने हैं। एक छोटी दुर्घटना युद्ध शुरू कर सकती है। टोक्यो ने ताइवान के पास मिसाइलें लगा दीं, यही चीन की 'रेड लाइन' है। इसे बीजिंग सीधी युद्ध की शुरुआत मानेगा। एक छोटी 'गलतफहमी' ने 1937 में चीन-जापान युद्ध शुरू किया थाष्ठ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इतिहास दोहराया जा सकता है। चीन की रेड लाइनः ताइवान के आसपास जापानी मिसाइलें चीनी विशेषज्ञ कहते हैं- 'अगर जापान ताइवान के आसपास मिसाइलें तैनात करता है तो चीन युद्ध का जवाब तुरंत देगा।'

युद्ध पर विराम की उम्मीदें कमजोर? रुबियो ने शांति समझौते को 'नाजुक' बताया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए वाशिंगटन समर्थित शांति योजना के तहत कीव के लिए विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी बनाने के उद्देश्य से बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जिन्होंने कीव की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख रुस्तम उमरोव के नेतृत्व में एक यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि चर्चाएँ उत्पादक रहीं, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा केएफ यह नाजुक है। यह जटिल है। यह वार्ता अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा में हुई और इसमें विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हुए। विटकॉफ सोमवार को मास्को के लिए रवाना होंगे, जहाँ इस सप्ताह उनके रूसी समकक्षों से वार्ता करने की उम्मीद है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रूबियो ने वार्ता समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि हम इस बात को लेकर यथार्थवादी बने हुए हैं कि यह कितना कठिन है, लेकिन आशावादी भी हैं, खासकर इस तथ्य को देखते हुए कि जैसे-जैसे हमने प्रगति की है, मुझे लगता है कि यहाँ एक साझा दृष्टिकोण है कि यह केवल युद्ध समाप्त करने के बारे में नहीं है। यह यूक्रेन के भविष्य को सुरक्षित करने के बारे में है, एक ऐसा भविष्य जिसके बारे में हमें उम्मीद है कि वह पहले से कहीं अधिक समृद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि चर्चाओं में कई गतिशील पहलू थे, और ज़ाहिर है, इसमें एक और पक्ष डरूस शामिल है जिसे समीकरण का हिस्सा बनना होगा।

रुबियो ने कहा कि अमेरिका रूसी अधिकारियों के साथ अलग-अलग स्तरों पर संपर्क में है और 'उनके विचारों को भी अच्छी तरह समझता है। यह वार्ता रुबियो और यूक्रेनी वार्ताकारों द्वारा स्विट्जरलैंड के जिनेवा में ट्रम्प की शांति योजना को संशोधित करने के लिए की गई बैठक के एक हफ़्ते बाद हुई, जिसकी शुरुआत में रूस की इच्छा सूची के रूप में आलोचना की गई थी।

विशेष रेलगाड़ी के संचालन अवधि में विस्तार

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन अवधि में क्रमशः समय, मार्ग एवं संरचना में संशोधन के साथ विस्तार का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी संख्या 07651/07652 जालना-छपरा-जालना विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं., कहाँ से कहाँ तक	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित तिथि
07651 जालना - छपरा	बुधवार	26.11.2025	03.12.2025 से 31.12.2025
07652 छपरा - जालना	शुक्रवार	28.11.2025	05.12.2025 से 02.01.2026

परिवर्तित गाड़ी संरचनाः- वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-13, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी संख्या 07651 जालना-छपरा		स्टेशन	गाड़ी संख्या 07652 छपरा-जालना	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
-----	23:35	जालना	09:50	----
20:08	20:10	मानिकपुर	10:28	10:30
22:10	22:15	प्रयागराज छिवकी	06:15	06:20
23:13	23:15	विन्ध्याचल	04:53	04:55
09:50	-----	छपरा	-----	22:15

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2317/25(D)

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।